CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-331
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

एक अच्छा विचार अनेक बुरे विचारों को नष्ट कर सकता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 07 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

चिंता का विषय.... लंदन में भारतीय विदेश मंत्री की सुरक्षा में चूक, भारत सरकार ने की निंदा

एस. जयशंकर को खालिस्तानियों ने घेरा, तिरंगा फाड़ने की कोशिश

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर को लंदन में खालिस्तानी कट्टरपंथियों के विरोध का सामना करना पड़ा। जब वे चाथम हाउस थिंक टैंक में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद बाहर निकले, तो खालिस्तानी समर्थकों ने उनकी कार को घेर लिया और नारेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने भारतीय तिरंगे का अपमान करने का प्रयास भी किया। एक शख्स तिरंगा लेकर उनकी कार के आगे खड़ा हो गया और रास्ता रोक लिया। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक व्यक्तिभारतीय ध्वज को फाड़ते हुए नजर आ रहा है। आश्चर्यजनक रूप से इस दौरान मौके पर मौजूद लंदन पुलिसकर्मी मूकदर्शक बने रहे और उन्होंने किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की। यह पूरी घटना विदेश मंत्री की सुरक्षा में चूक के तौर पर देखी जा रही है। जब जयशंकर चैथम हाउस में पहुंचे थे, उससे पहले ही खालिस्तानी समर्थक वहां मौजूद थे और सड़क के दूसरी तरफ खालिस्तानी झंडे लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बावजूद जयशंकर के बाहर आते समय सुरक्षा घेरा नहीं बढ़ाया गया।

विदेश मंत्री जयशंकर वर्तमान में 4 से 9 मार्च तक ब्रिटेन और आयरलैंड की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और ब्रिटेन के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। इस घटना की निंदा करते हुए भारतीय समुदाय ने स्थानीय प्रशासन से कठोर कार्रवाई की मांग की है। भारतीय दूतावास ने भी इस घटना पर कड़ा विरोध जताया है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में ब्रिटेन में खालिस्तानी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है, जिससे भारत और ब्रिटेन के बीच सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है।

'इनसाइट यूके' ने साझा किया फुटेज सामुदायिक संगठन 'इनसाइट यूके' ने इस घटना का फुटेज सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा कि यह शर्मनाक है कि यह हरकत उस समय हुई है जब डॉ. एस जयशंकर ब्रिटेन की यात्रा पर हैं। उन्होंने ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी के साथ सफल बैठक की जहां उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा हुई।

भारत सरकार ने जताई कड़ी आपत्ति विदेश मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा में लंदन में हुई चूक पर भारत सरकार ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। गुरुवार को विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अलगाववादियों और चरमपंथियों के इस छोटे से समूह के उकासवे की गतिविधियों की निंदा करते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री की ब्रिटेन यात्रा के दौरान हमने सुरक्षा में चूक की फुटेज देखी है। उन्होंने कहा कि चरमपंथियों और अलगाववादियों के इस छोटे से समूह के उकसावे की गतिविधियों की हम निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसे तत्वों की तरफ से लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के गलत उपयोग की निंदा करते हैं। इस दौरान उन्होंने ब्रिटिश सरकार से कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि मेजबान सरकार ऐसे मामलों में अपने कूटनीति दायित्वों का पालन पूरी तरह से करेगी।

पहले भी हो चुकी हैं इस तरह की घटनाएं यह पहली बार नहीं है जब विदेशों में इस तरह की घटनाएं हुई हैं। ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में पहले भी भारतीय दूतावासों और नेताओं के खिलाफ ऐसे प्रदर्शन देखे गए हैं। भारत सरकार ने इन घटनाओं को लेकर पहले भी संबंधित देशों से आपत्ति जताई है। लंदन में हुई इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि भारतीय नेताओं और प्रतीकों की सुरक्षा को लेकर विदेशी सरकारें कितनी गंभीर हैं। भारतीय समुदाय और सरकार इस तरह की घटनाओं को लेकर सतर्क हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि ब्रिटेन इस मुद्दे को गंभीरता से लेगा और आवश्यक कदम उठाएगा।

मप्र में डब्ल्यूसीएल की कोयला खदान का स्लैब गिरा, तीन मजदूरों की मौत

बैतूल। मप्र के बैतूल जिले में डब्ल्यूसीएल के कोयला खदान में बड़ा हादसा हो गया। यहां खदान के एक फेज का स्लैब गिरने से कई मजदूर मलबे में दब गए। हादसे के बाद खदान की रेस्क्यू टीम, एसडीआरएफ और पुलिस दल मौके पर पहुंचा। राहत बचाव दल खदान के अंदर दाखिल हुआ और मजदूरों को बाहर निकालने की कोशिशें शुरू कर दी। बैतूल एसपी निश्चल झारिया ने घटना की पुष्टि की और एसपी खुद भी मौके पर पहुंचे। घटना वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड पाथाखेड़ा क्षेत्र में गुरुवार दोपहर तीन बजे की है। छतरपुर-1 खदान के मुहाने से करीब 3.5 किलोमीटर अंदर कंट्यूनर माइनर सेक्शन में कर्मचारी काम कर रहे थे, इसी दौरान हादसा हो गया। एसपी निश्चल झारिया ने तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि की है। जिन तीन मजदूरों के शव कोयला खदान से निकाले गए हैं, उनमें शिफ्ट इंचार्ज गोविंद, ओवर मेन हरि चौहान और माइनिंग सरदार रामदेव पंडौले हैं। कलेक्टर ने जीएम, डब्ल्यूसीएल को लाइफ कवर स्कीम से डेढ़ लाख की सहायता तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही एक्सग्रेसिया, ग्रेच्युटी , कंपनसेशन और पीएफ, लाइफ इनकेशमेंट की राशि भी जल्द देने के निर्देश दिए हैं। इस हादसे में दो लोगों को बचा लिया गया। बताया जाता है कि इस घटना के बाद अब कोई भी खदान में अंदर नहीं फंसा है। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

कोयला काटते समय हुआ हादसा छतरपुर-1 खदान में कंट्यूनर माइनर मशीन चल रही थी। कोयला काटते समय अचानक खदान की छत गिर गई। बताया जा रहा है कि अधिकारी और वर्कर खदान में निरीक्षण के लिए उतरे थे। उस समय वहां 25 से 26 लोग मौजूद थे। लेकिन वे अलग-अलग सेक्शन में थे। जिस सेक्शन में हादसा हुआ वह जॉय माइनिंग सर्विस का है। इसमें ऑस्ट्रेलियाई मशीन लगी है। कंपनी कोलकाता की है।

महिला दिवस से पहले हकीकत से आमना-सामना

महिला की लाश देख कांप गई रूह दोनों तलवों पर ठोकी गईं 9 कीलें

नालंदा। बिहार के नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक महिला की बेरहमी से हत्या कर शव को सड़क किनारे खेत में फेंक दिया गया। हत्या की बर्बरता इस हद तक थी कि महिला के दोनों पैरों में कीलें ठोकी गई थीं। गुरुवार सुबह बहादुरपुर गांव के लोगों ने सड़क किनारे खेत में एक महिला का शव पड़ा देखा। शव देखकर ग्रामीण सहम गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, महिला नाइटी पहने थी, जिससे यह संदेह गहरा गया कि हत्या से पहले उसके साथ अत्याचार किया गया। मृतका की पहचान अब तक नहीं हो पाई है, शव को बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेजा गया है, ताकि पोस्टमार्टम और पहचान की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने गहनता से जांच शुरू कर दी है। पुलिस कई एंगल से मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हत्या की वजह साफ हो सकेगी। इस निर्मम हत्या से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की भयावह वारदात पहले कभी नहीं देखी गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि अगर किसी को महिला के बारे में कोई जानकारी हो, तो तुरंत पुलिस को बताएं। वहीं, इस मामले पर डीएसपी सुमित कुमार ने बताया कि जल्द ही इस हत्याकांड का खुलासा कर अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा। इस मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

पति ने पत्नी को लाठी और लोहे के पाइप से पीटा, भागी तो पत्थर से कुचला सिर

खंडवा। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के जावर थाना क्षेत्र में खाना बनाने के दौरान हुए विवाद में गुस्साए पति ने पत्नी की बेरहमी से पीटकर हत्या कर दी। मिली जानकारी के अनुसार, खेत मे बने घर में पति-पत्नी पार्टी कर रहे थे। पत्नी चूल्हे पर मटन बना रही थी। मटन बनने में देरी हुई तो, पति को गुस्सा आ गया और वह पत्नी को अपशब्द कहने लगा। इसपर पत्नी ने नाराजगी जताई। पत्नी को विरोध करता देख, गुस्साए पति ने उसे पहले लाठी और लोहे के पाइप से पीटा। जब वह जान बचाने बाहर जाने लगी तो पत्थर उठाकर बेरहमी से उसका सिर कुचल दिया। पत्नी को मारने के बाद पति रातभर पत्नी के पास ही सोया रहा। सुबह वह उठा और खून से सने कपड़ों में ही, पास में काम रह रहे अपने रिश्तेदारों के पास पहुंचा। उसने उन्हें पत्नी चंपा बाई की हत्या करने की बात बताई। इसके बाद जावर पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल पति नागेंद्र तोमर को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इधर इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए खंडवा एसपी मनोज कुमार राय ने बताया कि, जावर थाना के भकराड़ा गांव में रहने वाले नागेंर्द्र तोमर द्वारा 35 वर्षीय पत्नी चंपा बाई की हत्या करने की जानकारी मिली थी। इस पर जावर थाना प्रभारी जीपी वर्मा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपी नागेंद्र को हिरासत में ले लिया है। उसके घर के अंदर पत्नी चंपा का शव लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। पूछताछ में मालूम चला कि आरोपी पति ने ही लोहे के पाइप, लकड़ी और पत्थर से अपनी पत्नी चंपा के सिर, मुंह और कमर में वार किए थे। खून अधिक बहने के चलते चंपा की मौत हो गई।

राजीव पर बयान के बाद अशोक गहलोत ने मणिशंकर अय्यर को कहा सिरफिरा

जयपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने गुरुवार को अपनी ही पार्टी के नेता मणिशंकर अय्यर पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें सिरफिरा करार दिया। अय्यर ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की योग्यता पर सवाल उठाते हुए कहा था कि वे अकादमिक रूप से संघर्ष कर रहे थे और एक एयरलाइन पायलट होने के बावजूद प्रधानमंत्री कैसे बन सकते थे। अशोक गहलोत ने अय्यर के बयान को हताशा की पराकाष्ठा बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान केवल एक सिरफिरा व्यक्ति ही दे सकता है। गहलोत ने गुरुवार को जयपुर में अपने आवास पर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री थे तब मणिशंकर अय्यर उनके काफी करीबी हुआ करते थे। इतना ही नहीं मनमोहन सिंह सरकार में भी मंत्री रहे और सोनिया गांधी के भी करीबी रहे हैं। वो लंबे समय से राजनीति कर रहे हैं, लेकिन पता नहीं क्यों पिछले कुछ वर्षों से वे लगातार विवादित बयान देते आ रहे हैं।

पीथमपुर में रामकी कंपनी में जहरीले कचरे को जलाने का दूसरा ट्रायल रन शुरू

इंदौर। भोपाल से पीथमपुर आए 337 टन कचरे के निपटान के लिए रामकी कंपनी में दूसरा ट्रायल रन शुरू हो गया है। बुधवार देर रात भस्मक में कचरा डालने का सिलसिला शुरू हो गया था। दूसरा चरण शनिवार तक चलेगा। इसके बाद दस टन का तीसरा ट्रायल रन होगा। उसकी रिपोर्ट जबलपुर हाईकोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी, हालांकि सामान्य स्थिति रहने के बाद कचरा जलाने का काम जारी रहेगा। गत दिनो कचरा जलाने का काम शुरू हुआ था। यह प्रक्रिया प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अफसरों और वैज्ञानिकों की मौजूदगी में कराई जा रही है। पहले चरण में 135 किलो कचरा प्रति घंटे के हिसाब से जलाया जा रहा था। 10 किलो के पैकेट में साढ़े चार किलो चूना और साढ़े चार किलो जहरीले कचरे का मिश्रण मिलाया गया था। पहले चरण में उत्सर्जित गैसों की मात्रा तय मापदंडों से काफी कम मिली। इसके बाद अब 180 किलो कचरा प्रति घंटे के हिसाब से जलाया जाएगा। दस टन कचरे को जलाने में 60 घंटे से अधिक का समय लगेगा। दूसरे ट्रायल रन के दौरान भी रामकी कंपनी और आसपास के क्षेत्रों में लगे उपकरणों के माध्यम से प्रदूषण के स्तर पर निगरानी रखी जाएगी।

मुंबई-कोलकाता जैसे शहर डूबने की वह डरावनी घड़ी आ गई!

नई दिल्ली। आखरि वो डरावनी घड़ी आ गई, जब मुंबई-कोलकाता जैसे शहरों पर डूबने का खतरा होगा। घर से बाहर निकलते ही आपकी स्किन जल उठेगी। दरअसल, यूरोप के जलवायु निगरानी संगठन की एक रिपोर्ट बता रही है कि फरवरी में दुनियाभर में समुद्री बर्फ का दायरा घटकर अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। इतना ही नहीं, हमेशा बर्फ से ढंके रहने वाले नॉर्थ पोल के पास तापमान सामान्य से 11 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा रिकॉर्ड कयिा गया है। कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस ने कहा कि फरवरी 2025 में दुनियाभर में तीसरा सबसे गर्म फरवरी महीना रहा। ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन ने धरती के तापमान को बढ़ाया है। इस गर्मी से अंटार्कटिक और आर्कटिक महासागरों में जमी बर्फ का दायरा घटकर 7 फरवरी को 16.04 मिलियन वर्ग किलोमीटर रह गया, जो अब तक का सबसे कम है। कोपरनिकस के मुताबिक, अंटार्कटिक में फरवरी के दौरान समुद्री बर्फ का दायरा औसत से 26 प्रतिशत कम था।

कई शहर होंगे जलमग्न

आर्कटिक, अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड की बर्फ पिघलने से समुद्र का स्तर तेजी से बढ़ेगा। इससे तटीय शहर जैसे मुंबई, कोलकाता, न्यूयॉर्क, लंदन, टोक्यो डूबने का खतरा बढ़ जाएगा। छोटे द्वीपीय देश (जैसे मालदीव) पूरी तरह जलमग्न हो सकते हैं। बर्फ सूर्य की किरणों को परावर्तित करके धरती को ठंडा रखती है। बर्फ कम हो जाएगी, तो धरती अधिक गर्मी अवशोषित करेगी, जिससे ग्लोबल वार्मिंग और तेज होगी। अधिक गर्मी का मतलब अधिक हीटवेव, सूखा और चरम मौसम की घटनाएं होंगी।

नदियों में पानी की कमी हो सकती है

हिमालय, आल्प्स और एंडीज जैसी पर्वत श्रृंखलाओं की बर्फ पिघलने से गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, सिंधु जैसी नदियों में पानी की कमी हो सकती है। कृषि और पेयजल आपूर्ति प्रभावित होगी, जिससे भूखमरी और जल संकट बढ़ सकता है।

पोलर बीयर्स, पेंगुइन, सील, वॉलरस और अन्य आर्कटिक जीवों का घर खत्म हो जाएगा। मछलियों और समुद्री जीवों की प्रजातियां बदलते तापमान के कारण विलुप्त हो सकती हैं।

चंदन नगर के टेंट हाउस में रात में लगी आग, सुबह पाया काबू

इंदौर। शहर में बुधवार रात दो अलग-अलग जगहों पर आग लगने से लाखों का नुकसान हुआ। चंदन नगर के एक टेंट हाउस गोदाम और पलासिया के एक बंद पड़े फर्नीचर शोरूम में आग भड़क उठी। टेंट हाउस में आग बुझाने में 10 घंटे लगे, जबकि फर्नीचर शोरूम में दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

चंदन नगर के सिंदौड़ा गांव में स्थित लालजी टेंट हाउस के गोदाम में बुधवार रात लगभग 11 बजे आग लग गई। गोदाम में टेंट और प्लास्टिक का सामान रखा था, जिससे आग तेजी से फैल गई। आग इतनी भीषण थी कि दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने लगभग दो लाख लीटर पानी और 5 हजार लीटर फोम का इस्तेमाल करके आग बुझाने की कोशिश की। वहीं, लगभग 10 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गुरुवार सुबह आग पर काबू पाया गया। फिर भी, कुछ जगहों से धुआं निकल रहा था, इसलिए एक दमकल गाड़ी को वहां तैनात रखा गया। 20 हजार वर्ग फीट में फैले इस गोदाम में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। आसपास के घरों को खाली करा लिया गया था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

टेंट हाउस गोदाम में आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। कुछ लोगों को आग लगने के कारणों पर शक है। दमकल विभाग और पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं। फिलहाल, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट या कोई अन्य दुर्घटना हो सकती है, इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। जांच पूरी होने के बाद ही सही कारणों का पता चल सकेगा।

पलासिया में भी लगी आग, शोरूम खाक दूसरी घटना पलासिया इलाके में संजीवनी अस्पताल के पास एक बंद पड़े फर्नीचर शोरूम में हुई। बुधवार देर रात आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। शोरूम में पुराना फर्नीचर और सजावटी सामान रखा था, जो पूरी तरह जल गया।

शराब पीकर दोस्त की हत्या करने वाले का नहीं मिला सुराग

इंदौर। इंदौर के एरोड्रम क्षेत्र के कपड़ा व्यापारी की मौत शॉर्ट पीएम रिपोर्ट के बाद हत्या में बदल गई। उसकी गला घोंटकर हत्या की गई थी, लेकिन पुलिस की गिरफ्त से आरोपी अभी दूर हैं। आरोपी संभवतः कपड़ा व्यापारी का दोस्त था, क्योंकि वह घर पर ही रुका था और रात को दोनों ने साथ में शराब भी पी थी। पुलिस का मानना है कि शराब पीने के दौरान ही दोनों के बीच विवाद हुआ है और आरोपी ने कपड़ा व्यापारी सचिन चोपड़ा की गला घोंटकर हत्या कर दी। मौत के बाद परिजनों ने किसी पर शक नहीं जताया था, इसलिए पुलिस पहले सामान्य मौत मान रही थी, लेकिन हत्या के एंगल से जांच शुरू की तो पता चला कि घर में रुके दोस्त ने ही मौत के घाट उतारा है। पुलिस को आरोपी के फुटेज मिले हैं, लेकिन अभी तक उसका पता नहीं चला है। हत्या के बाद वह घर से चुपचाप चला गया था। सचिन सुबह देर तक नहीं उठे तो मां उन्हें उठाने कमरे में गई। सचिन की पत्नी अपनी बेटे के साथ मायके गई थी। सचिन कमरे में मृत पड़े थे। आसपास खून के निशान नहीं थे, इसलिए परिजनों ने सामान्य मौत माना, लेकिन पीएम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया। आरोपी घर से भागा तो सचिन का मोबाइल भी ले गया, क्योंकि वह कमरे में नहीं मिला। पुलिस सचिन की कॉल डिटेल भी निकाल रही है, ताकि आरोपी के बारे में पता चल सके। परिजनों ने आरोपी को पहले कभी नहीं देखा था। उन्हें उसका नाम भी नहीं मालूम है।

डीसीपी विनोद मीणा ने मीडिया को बताया कि इस मामले में डेटिंग एप के एगंल पर जांच की जा रही है। आसपास के कुछ लोगो ने सचिन के एप चलाने की बात कही है। वैसे व्यापार के सिलसिले में भी कई लोग उसके घर आते थे। इस पर पुलिस जांच कर रही है।

तलघर में बनी अवैध दुकानों पर नगर निगम ने चलाया बुलडोजर

इंदौर। नगर निगम की रिमूव्हल टीम ने एक बार फिर तलघर में बनी अवैध दुकानों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरुवार सुबह नगर निगम के अमले ने सुभाष चौक क्षेत्र में एक इमारत के तलघर में बनी 7 से 8 दुकानों को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की। इस कार्रवाई के तहत खजूरी बाजार और अन्य व्यस्त बाजारों में भी जल्द ही अभियान चलाया जाएगा। नगर निगम लगातार शहर के विभिन्न झोन में तलघर में पार्किंग की जगह हुए अवैध निमार्णों को हटाने में जुटा हुआ है। कुछ महीने पहले नगर निगम और प्रशासन ने संयुक्त रूप से एक बड़े अभियान के तहत कई बड़े शोरूम और मॉल के बेसमेंट में किए गए अतिक्रमणों को हटाया था। अब इस अभियान के दूसरे चरण में नगर निगम अपने स्तर पर फिर से कार्रवाई कर रहा है। दो दिन पहले भी विभिन्न प्रमुख बाजारों में बनी इमारतों के तलघर में पार्किंग की जगह पर किए गए अतिक्रमण, कोचिंग सेंटर, दुकानें और शोरूम को गिराने की कार्रवाई की गई थी। कुछ स्थानों पर अतिक्रमणकारियों को पहले से ही नोटिस जारी किए गए थे। आज सुबह नगर निगम की टीम सुभाष चौक पहुंची, जहां एक इमारत के तलघर में कई दुकानें अवैध रूप से बनाई गई थीं और उन्हें किराए पर दे दिया गया था। इन दुकानों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी गई।

इंदौर नगर निगम अब लगातार उन सभी इमारतों की पहचान कर रहा है, जहां तलघर में पार्किंग की जगह पर अवैध निर्माण किए गए हैं। खजूरी बाजार सहित शहर के अन्य प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में भी जल्द ही इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी।

विद्या बालन पहुंची इंदौर, अपनी फिल्मों और करियर के अनुभव साझा किए

इंदौर। मशहूर फिल्म अभिनेत्री विद्या बालन गुरुवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने इंदौर पहुंची। वे होटल सेरेटन में फ्लो इंदौर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुई। यह कार्यक्रम बेहद खास हुआ, जिसमें विद्या बालन ने आडियंस के सवालों के जबाब दिए। इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्मों और करियर के अनुभव साझा किए। खासकर मंजूलिका के अभिनय को लेकर। फ्लो इंदौर की चेयरपर्सन, आर्किटेक्ट विभा जैन सेठी ने कहा कि हमें बहुत खुशी है कि वे हमारे इस स्पेशल मौके पर मौजूद हैं। विद्या बालन फ्लो इंदौर की मौजूदा कमेटी को सम्मानित किया और उनके शानदार काम की तारीफ की। फ्लो इंदौर के सदस्य, विद्या बालन का स्वागत करने के लिए बहुत उत्साहित नजर आये ।

महिला कुश्ती प्रतियोगिता कल, 8 देशों की पहलवान आएंगी

इंदौर। 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर इंदौर में 8 देशों की महिला पहलवानों के बीच मुकाबले होंगे। इस आयोजन की भव्य स्तर पर तैयारियां की जा रही है। दर्शकों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा और बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। यह आयोजन इंदौर के एयरपोर्ट रोड स्थित दलाल बाग में शाम 4 बजे से होगा। संयोजक मानसिंह ने बताया कि, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर देवी अहिल्या होलकर अंतरराष्ट्रीय महिला कुश्ती का आयोजन किया जा रहा है। अलग-अलग महिला पहलवानों के बीच कुश्ती अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार मेट पर होगी। आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।

इस अंतरराष्ट्रीय महिला कुश्ती में न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, मेक्सिको, मंगोलिया, नेपाल, भारत सहित अन्य देश से महिला पहलवान शिरकत करेंगी। महिला पहलवानों के बीच अलग-अलग मैच में कई दांवपेंच दर्शकों के देखने को मिलेंगे। इसके लिए एक निर्णायक कमेटी भी बनाई है।

मानसिंह ने बताया कि, दलाल बाग में अस्थायी स्टेडियम बनाया जा रहा है। जिसमें दर्शक आराम से बैठ सकेंगे। इसके साथ ही महिलाओं की सुविधाओं के लिए ग्रीन रूम, चेजिंग रूम, सुलभ शौचालयों का भी निर्माण किया जा रहा है, ताकि कोई परेशानी न हो। मानसिंह यादव ने बताया कि, आयोजन भाजपा नेता आकाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में किया जा रहा है। इसमें कई राजनेताओं को आमंत्रित किया गया है।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 और मुख्य परीक्षा 2024 के परिणाम घोषित

इंदौर। एमपीपीएससी ने बुधवार रात को राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 और राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2024 के परिणामों की घोषणा कर दी। इस परीक्षा में 158 पदों के लिए 4000 से ज्यादा अभ्यर्थी पास हुए हैं। इसके अलावा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2024 का परिणाम भी जारी किया गया। इसमें तय पदों से ज्यादा उम्मीदवारों का चयन हुआ है। यह परीक्षा 110 पदों के लिए हुई थी, लेकिन उत्तीर्ण अभ्यार्थियों की संख्या 339 है। अब चयनित अभ्यर्थियों को साक्षात्कार होगा। इसकी तिथि अभी तय नहीं हुई है। राज्य सेवा परीक्षा-2024 में दस से ज्यादा विभागों के 110 रिक्त पदों को भरा जाएगा। एसडीएम, उपपुलिस अधीक्षक, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, अतिरिक्त सहायक विकास आयुक्त, वाणिज्य कर निरीक्षक, आबकारी उप निरीक्षक सहित कई पद के लिए साक्षात्कार होंगे। इसकी प्रारंभिक परीक्षा जुलाई व मुख्य परीक्षा अक्टूबर में थी, लेकिन आयोग ने मार्च माह में परिणाम घोषित किए हैं। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 16 फरवरी को प्रदेश के 300 से ज्यादा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। इसमें 1 लाख 18 हजार अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इसमें 18 विभागों में 158 रिक्त पदों को भरा जाएगा। एसडीएम, उप पुलिस अधीक्षक, सहायक विकास आयुक्त, बाल विकास परियोजना अधिकारी सहित अन्य पदों के लिए 38 पद अनारक्षित, 24 एससी, 48 एसटी,35 पिछड़ा वर्ग और 13 पद ईडब्ल्यूएस के लिए रखे गए हैं। इस परीक्षा की अंतिम आंसरशीट 28 फरवरी को जारी की गई और पांच दिनों के भीतर आंसरशीट का मूल्याकंन कर रिजल्ट भी घोषित हो गए। पहले कभी इतनी जल्दी परिणाम घोषित नहीं हुए। अब इसके साक्षात्कार अगस्त माह में हो सकते हैं, हालांकि, अभी तिथि तय नहीं हुई है।

जापान में लगेगी शिवाजी की प्रतिमा, इंदौर की स्वाति करेंगी सभा को संबोधित

इंदौर। छत्रपति शिवाजी महाराज न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। जापान की राजधानी टोक्यो में 8 मार्च, महिला दिवस के अवसर पर उनकी 8 फुट ऊंची अष्टधातु से निर्मित प्रतिमा का भव्य अनावरण होने जा रहा है। भारत में शिवाजी महाराज को देवतुल्य माना जाता है, इसलिए प्रतिमा को जापान भेजने से पहले इसे 12 राज्यों में इंडो-जापान शिव स्वाभिमान रथ यात्रा के अंतर्गत सातारा से दिल्ली तक घुमाया गया, ताकि हर शिवाजी भक्त इस प्रेरणादायी प्रतिमा के दर्शन कर सके। यह यात्रा इंदौर भी पहुंची थी।कुछ दिन पहले ही प्रतिमा को फ्लाइट से जापान भेजा गया। इंदौर के लिए यह अत्यंत गर्व की बात है कि जापान में होने वाले इस ऐतिहासिक आयोजन में पूरे भारत से केवल 40 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है और मध्यप्रदेश से मात्र स्वाति युवराज काशीद ही इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होने जा रही हैं। आम्ही पुणेकर संस्था द्वारा आयोजित इस समारोह में भारत से नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे, अजित पवार समेत कई प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किया गया है।

अखिल भारतीय मराठा महासंघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वाति युवराज काशीद इंदौर से इस भव्य आयोजन में भाग लेने टोक्यो जा रही हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता और समाज को धर्म के प्रति प्रेरित करने की सोच और समर्पण ने उन्हें इंदौर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में एक अलग पहचान दिलाई है। स्वाति युवराज काशीद ने समाज में धर्म और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वर्ष 2023 में ह्यस्वराज्य स्वाभिमान यात्राह्ण का नेतृत्व किया था। इस यात्रा के दौरान उन्होंने जीजामाता की जन्मस्थली सिंदखेड़, महाराष्ट्र से मिट्टी और कलश लेकर लगभग 300 महिलाओं के साथ 400 किलोमीटर की पदयात्रा की थी। इस अभियान के अंतर्गत उन्होंने इंदौर में तीन पुलिया चौराहे पर जीजामाता की प्रतिमा स्थापित कर, इस चौराहे का नाम बदलकर जीजामाता चौक रखवाया।

छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का टोक्यो में अनावरण भारत के लिए गौरव का क्षण है। यह आयोजन न केवल भारत और जापान के ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करेगा बल्कि शिवाजी महाराज की वीरता और आदर्शों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रचारित करेगा।

निवेश का लालच देकर डॉक्टर को 50 लाख रुपए की ठगी

इंदौर। शहर के रावजी बाजार में पुलिस ने एक डॉक्टर से धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपियों ने निवेश के नाम पर डॉक्टर को 50 लाख रुपए का लालच देकर ठग लिया। पुलिस इस मामले में मुंबई और उज्जैन के आरोपियों की तलाश कर रही है। रावजी बाजार पुलिस ने डॉक्टर प्रवीण कुमार मते (निवासी बी कॉलोनी, एयरपोर्ट रोड) की शिकायत पर अंशुमन त्रिपाठी (निवासी सरजू अपार्टमेंट, कलिना मिलिट्री कैंप, मथुरादास कॉलोनी, मुंबई) और अभिषेक चौरसिया (निवासी महावीर नगर, उज्जैन) के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर प्रवीण की पहचान फरवरी 2024 में अंशुमन त्रिपाठी से हुई थी। उसने खुद को पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस का एडवाइजर बताते हुए शेयर मार्केट में निवेश का झांसा दिया। अंशुमन ने डॉक्टर को एक ग्रुप में जोड़कर योगेश नामक व्यक्ति से संपर्क कराया और ऑर्बिट मॉल में ऑफिस होने का दावा किया। डॉक्टर ने पहले निवेश करने से मना कर दिया और सिर्फ मार्केट पर नजर रखने की बात कही। इस पर अंशुमन ने 7,000 रुपए मासिक शुल्क मांगा, जो डॉक्टर ने 12 फरवरी 2024 को ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए।

बाद में अंशुमन ने डॉक्टर को 50 लाख रुपए निवेश करने पर 10 जून 2024 तक 11 करोड़ रुपए रिटर्न देने का वादा किया। उसने डॉक्टर को भरोसा दिलाया कि वह उनकी राशि क्रूड ऑयल और कॉपर में निवेश करेगा।

डॉक्टर ने इस योजना में पैसे लगाने का फैसला किया और अलग-अलग किश्तों में रकम ट्रांसफर करनी शुरू कर दी। एक बार में 18 लाख रुपए नकद मंगवाकर अभिषेक को भेजे गए, जबकि एक अन्य व्यक्ति से 5 लाख रुपए ट्रांसफर कराए।

इसके बाद आरोपियों ने अलग-अलग तरीकों से डॉक्टर से पैसे लेना जारी रखा। धीरे-धीरे डॉक्टर से कुल 50 लाख रुपए ठग लिए गए।

डॉक्टर प्रवीण को जब ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने पुलिस से शिकायत की। यह मामला फायर ब्रिगेड परिसर से शुरू हुआ था। पुलिस ने आरोपियों के नाम और मोबाइल नंबर के आधार पर जांच शुरू कर दी है और जल्द ही गिरफ्तारी की संभावना जताई है।

केन्द्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ाई जाए, इससे राज्यों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी :मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आयोग ने कहा मध्यप्रदेश का भविष्य है सुरक्षित हाथों में

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के साथ बैठक की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश एक बड़ा राज्य है, इसलिए इसकी जरूरतें भी बड़ी हैं। सबके कल्याण के जरिए एक समतामूलक समाज और लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना ही केन्द्र और राज्य सरकारों का एकमेव लक्ष्य है। केन्द्र और राज्यों के बेहतर तालमेल और आपसी सामंजस्य से ही यह लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। राज्यों की मजबूती में ही राष्ट्र की मजबूती है, इसलिए केन्द्रीय करों और राजस्व प्राप्तियों में राज्यों की हिस्सेदारी यानी अनुदान बढ़ाया ही जाना चाहिए। राज्य अपनी क्षमता और सीमित संसाधनों से ही अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए पूरी शिद्दत से काम करते हैं। केन्द्र सरकार से अधिक वित्तीय अनुदान मिलने से राज्य अपने दीर्घकालीन लक्ष्यों को अल्पकाल में ही प्राप्त कर सकेंगे। विकसित भारत का निर्माण विकसित मध्यप्रदेश के बिना नहीं हो सकता, इसलिए केन्द्रीय करों में राज्यों की हिस्सोदारी 44 प्रतिशत से बढ़ाकर 48 प्रतिशत तक की जाए। इससे राज्य मजबूत होंगे और राष्ट्र को विकास की ले जाने में सहायक होंगे। उन्होंने राज्य के दीर्घकालिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता का जिक्र कर वित्त आयोग से प्रदेश की अपेक्षाओं को भी व्यक्त किया।

नदी जोड़ों के लिए अभियान चला रहे

मुख्यमंत्री ने वित्त आयोग से कहा कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है और इसीलिए हम नदियों को जोड़कर जल बंटवारे के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना में हमने राजस्थान के साथ मिलकर काम किया। केन्द्र सरकार ने इस राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के लिए 90 हजार करोड़ रूपए आवंटित किए। इसी तरह केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना के लिए हम उत्तरप्रदेश सरकार के साथ आगे बढ़े हैं। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दोनों राष्ट्रीय परियोजना का भूमिपूजन कर मध्यप्रदेश को गौरव प्रदान किया है। अब हम महाराष्ट्र सरकार के साथ ताप्ती नदी परियोजना पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज से 20 साल पहले तक प्रदेश में केवल 7 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि सिचिंत थी, आज प्रदेश की 48 लाख से अधिक कृषि भूमि को हम सिंचित कर चुके हैं। हम प्रदेश में नदी जोड़ो के लिए एक अभियान चला रहे हैं। किसानों के साथ हमारा आत्मीय संबंध है और खेतों तक पानी पहुंचाना हमारा पहला कर्तव्य है। हमारी नीतियों के कारण किसानों का जैविक खेती की ओर तेजी से रूझान बढ़ा है।

हर जिले में उद्योग प्रकोष्ठ बना रहें

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी 18 नई औद्योगिक नीतियों के कारण निवेशक भी हमसे जुड़ रहे हैं। आरआईसी और जीआईएस के जरिए प्रदेश को 30.77 लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। यह हम पर बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। हम हर जिला कलेक्ट्रेट में उद्योग प्रकोष्ठ बना रहे हैं, इससे किसी भी निवेशक को जिला स्तर पर भी कठिनाई नहीं आएगी। हम प्रदेश में व्यापार और व्यवसाय को सुगम बना रहे हैं। इसमें हम सभी का सहयोग भी लेंगे।

बजट को बढ़ाकर दोगुना करेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का सर्वाधिक प्रगतिशील राज्य है। प्रदेश कृषि, अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, वन, पर्यटन, नगरीय विकास और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन क्षेत्रों में और अधिक विकास के लिए केन्द्र सरकार से मजबूत वित्तीय सहयोग/अनुदान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत में मध्यप्रदेश को भी योगदान देना है। हम विकसित मध्यप्रदेश का संकल्प पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि अभी हमारा बजट करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रूपए है। अगले पांच सालों में हम इस बजट को बढ़ाकर दोगुना कर देंगे।

युवा शक्ति की ऊर्जा का भरपूर उपयोग कर रहे

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश में हरसंभव तरीके से दूध उत्पादन को बढ़ावा देंगे। हमारी कोशिश है कि देश का 20 प्रतिशत से अधिक दूध मध्यप्रदेश में उत्पादित हो, इससे हमारे किसान और पशुपालक दोनों सम्पन्न होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा शक्ति की ऊर्जा का भरपूर उपयोग भी हम कर रहे हैं। पंचशील सिद्धांतों का पालन करते हुए जन, जल, जंगल, जमीन और जैविक विविधता का संरक्षण हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जंगल बचेंगे, तो जल बचेगा और जल बचेगा, तो जन-जीवन बचेगा। हम जैविक संपदा को संरक्षित रखने के लिए भी हर जरूरी प्रयास कर रहे हैं।

30 लाख किसानों को सोलर पम्प देंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अगले तीन सालों में सभी 30 लाख किसानों को सोलर पम्प दे देंगे। इससे हमारे किसान अन्नदाता के साथ-साथ ऊजार्दाता भी बनेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों को मात्र पांच रूपए में बिजली कनेक्शन देने जा रही है, इससे हमारे किसानों को बिजली कनेक्शन के लिए कहीं भी भटकना नहीं पड़ेगा।

एयरलिफ्ट कर जीवन बचाया

मुख्यमंत्री ने आयोग को मध्यप्रदेश में बीते एक वर्ष में किए गए नवाचारों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार ने एयर एम्बुलेंस सेवा प्रारंभ की है। इससे बीते एक साल में कई गंभीर मरीजों को एयरलिफ्ट कर बड़े अस्पतालों तक पहुंचाकर उनका जीवन बचाया गया। हमारी इस सेवा को बेहद अच्छा प्रतिसाद प्राप्त हुआ है।

सरकार ने वित्त आयोग को मेमोरेंडम की प्रति सौंपी

बैठक में मुख्यमंत्री ने आयोग के समक्ष प्रदेश के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आवश्यक वित्तीय सहयोग की मांग रखते हुए राज्य सरकार की विशेष प्राथमिकताओं को भी पृथक से रेखांकित किया। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से वित्त आयोग को मेमोरेंडम की प्रति भी सौंपी। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में निवेश और वित्तीय सहयोग की जरूरतों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। मुख्यमंत्री ने आयोग को राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की भावी योजनाओं की भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों को प्रतीक चिन्ह भी भेंट किए।

राजधानी के मानसरोवर कॉम्पलेक्स में लगी भीषण आग फायर सिस्टम से पाया काबू; जानें कैसे हुआ हादसा

भोपाल के आरकेएमपी रेलवे स्टेशन के पास स्थित मान सरोवर कॉम्पलेक्स के एक बंद इंटीरियर डिजाइन के ऑफिस में गुरुवार यानी आज सुबह आग लग गई। दुकान के अंदर धुआं उठते देख आसपास के दुकानदार पहुंचे और फायर सिस्टम की मदद से आग पर काबू पाया। इधर, देर रात करीब इलाके में फर्नीचर की 8 दुकानों में भीषण आग लगी। जिससे लाखों रुपए का फर्नीचर जलकर राख हो गया। 3 घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। बता दें कि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से कुछ दूर ही मानसरोवर कॉम्पलेक्स है। यही पर आग लगी। मानसरोवर कॉम्प्लेक्स व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल चुग ने बताया, अलार्म बजते ही दुकानदार भागे और फायर सिस्टम से आग को काबू में किया। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया। मौके पर फायर बिग्रेड की गाड़ियां भी पहुंची। कॉम्पलेक्स में आग लगने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। पहले भी यहां आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं और खासा नुकसान हुआ था।

वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने किया विश्व धरोहर भीमबेटका का भ्रमण

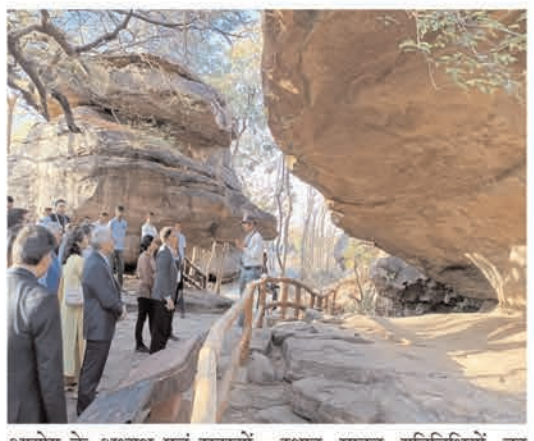

भोपाल। सोलहवें केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया और सदस्य एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ सौम्य कांति घोष एवं डॉ मनोज पांडा ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान रायसेन जिले में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर भीमबेटका (भीम बैठका) का भ्रमण किया। उन्होंने प्रदेश के गौरवशाली इतिहास से परिचय प्राप्त किया और भारतीय संस्कृति की समृद्ध धरोहर को नजदीक से देखा। वित्त आयोग के सदस्यों ने कहा कि भीम बैटका जैसे ऐतिहासिक स्थल भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के अमूल्य प्रतीक हैं। इन स्थलों का संरक्षण भावी पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा भीमबेटका में शैलाश्रय तथा शैलचित्रों का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि पुरा पाषाण काल से मध्य ऐतिहासिक काल तक यह स्थान मानव गतिविधियों का केंद्र रहा है। यहाँ के शैल चित्र मुख्यतः सामूहिक नृत्य, रेखांकित मानवाकृति, शिकार, पशु-पक्षी, युद्ध और प्राचीन मानव जीवन के दैनिक क्रियाकलापों से जुड़े हैं। चित्रों में प्रयोग किये गए खनिज रंगों में मुख्य रूप से गेरुआ, लाल और सफेद रंग का उपयोग किया गया है।

आयोग के अध्यक्ष डॉ पनगढ़िया तथा सदस्यों को भीमबेटका में प्रस्तावित रॉक आर्ट इको पार्क म्यूजियम के बारे में बताया गया। आयोग के सदस्यों को गाइड रवि यादव द्वारा शैलाश्रयों तथा शैलचित्रों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारीगण, रायसेन कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, पुरातत्व विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शिवराज और कमलनाथ से लगी सीएम हाउस की इफ्तार दावत रोक पर सीएम मोहन देंगे गति

भोपाल। स्वर्गीय अर्जुन सिंह से होते हुए दिग्विजय सिंह तक ने और इससे आगे चलकर भाजपा सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीएम हाउस की रोजा इफ्तार दावत को नया आयाम दिया। जहां अर्जुन सिंह और दिग्विजय सिंह के दौर में यह कार्यक्रम स्थानीय स्तर तक सिमटा हुआ था। वहीं, शिवराज सिंह चौहान ने इस आयोजन को प्रदेश स्तरीय स्वरूप दिया। लेकिन प्रदेश में सत्ता बदल के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इस मजहबी समागम पर ब्रेक लगा दिया।दोबारा सीएम बनकर जब शिवराज सिंहासन आसीन हुए तो उन्होंने भी कमलनाथ की डाली प्रथा को दोहराया और पूरे कार्यकाल सीएम हाउस की रोजा इफ्तार दावत से परहेज ही रखा। अब प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव हैं। उनके मतानुसार प्रदेश में हर त्योहार की भव्यता होना चाहिए। हर पर्व में आनंद का अहसास करते हुए एक साल से अधिक का कार्यकाल पूरा कर रहे डॉ. मोहन यादव का पहला रमजान आया है। ऐसे में मुस्लिम धर्मावलंबियों के साथ सर्वधर्म सद्भाव में आस्था रखने वालों की निगाहें मुखिया डॉ. मोहन यादव की तरफ उठी हुई हैं। उम्मीद की जा रही है कि पिछले सात सालों की टूटी कड़ी इस साल सीएम हाउस के रोजा इफ्तार दावत से फिर जुड़ी दिखाई देगी।

हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनजातीय अंचल में मनाए जाने वाले भगोरिया पर्व को राजकीय स्तर पर मनाने का एलान किया है। उन्होंने यह भी दोहराया है कि प्रदेश में सभी त्योहारों को उत्साह, उमंग और आनंद के साथ मनाया जाएगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने कार्यकाल में धार्मिक पर्वों को उत्साह के साथ मनाने की एक नई परम्परा शुरू की है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, गोवर्धन पूजा से लेकर गीता जयंती जैसे पर्व भी बहुत उत्साह और उमंग से मनाए हैं। इसी माह में मनाए जाने वाले होली पर्व के लिए भी सरकारी एलान हो चुका है कि इसको भव्यता के साथ मनाया जाएगा।

होते रहे हैं रोजा इफ्तार में शामिल

सीएम मोहन यादव ने एक टीवी साक्षात्कार के दौरान कहा था कि वे सभी धर्मों का सम्मान करते हैं, सभी त्योहारों को उत्साह और उमंग के साथ मनाने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा था कि वे रमजान में होने वाली इफ्तार दावतों में शामिल होते रहे हैं। ईद पर वे अपने परम मित्र मप्र वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनव्वर पटेल के घर पर सेवइयां खाने के लिए भी जाते थे। गौरतलब है कि कुछ माह पहले भोपाल में आयोजित किए गए आलमी तब्लीगी इज्तिमा आयोजन के लिए भी तैयारियों पर विशेष ध्यान रखा था और सफल कार्यक्रम की नींव रखी थी।

प्रदेश का इकलौता शहर भोपाल, जहां सजती हैं बड़ी इफ्तार महफिलें

दिल्ली, हैदराबाद, लखनऊ और यूपी के कुछ बड़े शहरों को छोड़ दिया जाए तो देश भर में कम ही जगह होंगी, जहां रमजान माह में इतने बड़े पैमाने पर इफ्तार दावतें होती हों। मप्र भर में तो कम से कम भोपाल ऐसी इफ्तार पार्टियां करने वाला इकलौता ही कहलाएगा। शादी-ब्याह या किसी बड़े मांगलिक आयोजन की तरह बड़े शादी हॉल और मैरिज गार्डन और सजे धजे रोजादारों की मौजूदगी इस शहर की इफ्तार दावतों को अलग ही मुकाम देती है। शुरूआती दौर में हमीद मंजिल या ऐतिहासिक महत्व वाली बड़ी इमारतों में ये दावतें सजती थीं। बदलते दौर के साथ इनका मुकाम शादी हॉल और मैरिज गार्डनों तक पहुंच गया। इससे आगे बढ़कर अब यह सिलसिला फॉर्म हाउस की तरफ भी जाता नजर आ रहा है। सामूहिक दुआ, सामूहिक इफ्तार, सामूहिक नमाज और इसके बाद लजीज व्यंजन का सेवन कुछ अलग ही नजारा बना देता है।

लाट साहब की दावत

माह ए रमजान में प्रदेश राजभवन में भी रोजा इफ्तार दावत होती है। राजधानी के सभी धर्मों के विद्वान, राजनीतिक हस्तियां और शहर के प्रबुद्ध नागरिक इस दावत में शामिल होते हैं। प्रदेश के महामहिम अपने घर (राज भवन) आए लोगों की अगवानी करते हैं। सामूहिक दुआ में शामिल होकर वे प्रदेश और देश की खुशहाली की दुआएं भी करते हैं।

इफ्तार ने बनाया इतिहास

कोविड काल शुरू होने से कुछ वर्षों पहले राजधानी के इकबाल मैदान पर एक ऐतिहासिक और गरिमामय आयोजन शुरू हुआ। नाम दिया गया, साथ साथ रोजा इफ्तार...! शहर के कुछ सामाजिक कार्यकताओं इकबाल बैग, जफर आलम खान, जावेद बैग आदि की इस परिकल्पना को साकार करने में जल्दी ही शहर के उत्साही लोगों की टोलियां जुटती गईं। देखते ही देखते आयोजन ने एक विशाल रूप ले लिया। मंशा थी शहर में अपने जरूरी कामों से पहुंचे लोगों, स्टूडेंट्स, अकेले रहने वाले नौकरी पेशा और इकबाल मैदान के आसपास स्थित दर्जनों अस्पतालों में भर्ती मरीजों के परिजन को रोजा इफ्तार की सुविधा मुहैया कराना। सालों जारी रही इस व्यवस्था में जरूरतमंद लोगों के साथ शहर के गणमान्य लोग भी शौक के साथ जमा होते थे। इनमें बड़ी संख्या हिंदू समुदाय के लोगों की भी होती थी। लेकिन सियासी समीकरण के चलते पिछले कुछ सालों से इकबाल मैदान में सार्वजनिक आयोजनों पर पाबंदी लग गई है और इस बेहतरीन आयोजन ने दम तोड़ दिया है।

भगवान श्रीकृष्ण पाथेय के विकास के लिए राजस्थान सरकार के साथ मिलकर करेंगे काम - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

श्रीकृष्ण का ईश्वरीय स्वरूप स्तुत्य है, उनके दूसरे पक्षों को भी करेंगे उजागर

इंदौर/ भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण पाथेय के संदर्भ में मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार एकमत है। हम राजस्थान सरकार के साथ मिलकर श्रीकृष्ण पाथेय के विकास के लिए मिलकर काम करेंगे। भगवान श्रीकृष्ण के गुजरात गमन पथ के विकास के लिए हम गुजरात सरकार से सहयोग लेकर इस दिशा में काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का ईश्वरीय स्वरूप तो स्तुत्य है ही, हमारी सरकार उनके दूसरे महत्वपूर्ण पक्षों को भी समाज के समक्ष प्रकाश में लाएगी। इसमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उज्जैन में शिक्षा ग्रहण करना, सुदामा से मित्रता निभाना, वनवासी से प्रेम और गुरू-शिष्य परम्परा की मिसाल कायम करने जैसे प्रसंग शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को (समत्व भवन) मुख्यमंत्री निवास में श्रीकृष्ण पाथेय के संबंध में विषय विशेषज्ञ समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीकृष्ण पाथेय के विकास के लिए सभी समितियों को सक्रिय किया जाए। पुरातत्वविदों, धमार्चार्यों एवं भगवान श्रीकृष्ण साहित्य के अच्छे लेखकों को भी इस समिति में जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीकृष्ण पाथेय के विकास के लिए भोपाल में आयोजित इस बैठक के अलावा उज्जैन और राजस्थान के जयपुर या भरतपुर या ब्रज या चौरासी कोस या अन्य किसी विशिष्ट स्थल पर समिति बैठकें की जाएं। इससे दोनों राज्यों में श्रीकृष्ण पाथेय के लिए सकारात्मक वातावरण का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुरा इतिहास में भगवान श्रीकृष्ण का भारत देश (जम्बूद्वीप) के कई क्षेत्रों में आवागमन का उल्लेख मिलता है। समिति भगवान श्रीकृष्ण के उन सभी गमन स्थलों को चिन्हित कर इनका अभिलेखीकरण करें। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम को श्रीकृष्ण पाथेय के विकास एवं विस्तार के लिए केन्द्र बिन्दु बनाया जा सकता है। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा बताया गया कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा लोक कल्याण के लक्ष्य पूर्ति के लिए यद्यपि मथुरा, उज्जैन, द्वारिका, ब्रज मंडल, मेवात, हाड़ौत, मालवा, निमाड़, गुजरात, राजस्थान, विदर्भ, महाराष्ट्र के अनेक क्षेत्रों की यात्राएं की गईं, तथापि उनकी यात्रा का प्रमुख केन्द्र उज्जैन ही रहा था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक त्यौहारों में सरकार की सहभागिता बढ़ी है।

हमने दशहरे में शस्त्र पूजा, दीपावली पर गोवर्धन पूजा और हाल ही में गीता जयंती भी मनाई है। प्रदेश के 17 पवित्र/धार्मिक शहरों में हमने शराबबंदी लागू करने का निर्णय ले लिया है। इससे समाज में एक अच्छे संदेश का संचार हुआ है। बैठक में समिति के सदस्यों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव रखे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार श्रीकृष्ण पाथेय के लिए फोकस्ड होकर काम करेगी। भविष्य में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी अन्य लीलाओं को भी हम इस कार्य से जोड़ेंगे। बैठक में समिति के वरिष्ठ सदस्य राजस्थान सरकार में राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त श्री ओंकार सिंह लखावत, महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के पूर्व निदेशक पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार डॉ. श्रीराम तिवारी, उज्जैन के डॉ. शैलेन्द्र शर्मा, डॉ. रमन सोलंकी सहित अन्य सभी सदस्यगण, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन, अपर मुख्य सचिव श्री संजय शुक्ला, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कमिश्नर और कलेक्टर उज्जैन ने भी बैठक में वर्चुअली सहभागिता की।

संपादकीय

वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अनुमान से भी खराब संकेत

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति ने विश्व में व्यापार-युद्ध छेड़ दिया है। जो देश अमरीका के साथ व्यापार करते हैं अथवा प्रत्यक्ष रूप में व्यापार के साझेदार नहीं हैं, वे सभी देश प्रभावित होंगे। विश्व में 2008 की आर्थिक मंदी के आसार बन गए हैं। चीन ने तो अमरीका को 'किसी भी युद्ध' की चेतावनी दे दी है। कनाडा बहुत गुस्से में है और उसने भी अमरीकी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने का पलटवार किया है। ये संपूर्ण व्यापार-युद्ध के हालात हैं, नतीजतन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे व्यापार, आर्थिक निवेश और व्यापार-नीतियां प्रभावित होंगी। ट्रंप भूमंडलीकरण के खिलाफ काम कर रहे हैं और इसमें अमरीका का फायदा देख रहे हैं, जबकि ऐसा नहीं होगा। इस व्यापार-युद्ध से अमरीका में महंगाई बढ़ेगी। शेयर बाजार और कंपनियों के कारोबार प्रभावित होंगे। अमरीकी बाजार 2.6 फीसदी तक गिरे हैं, यह बिल्कुल स्पष्ट है। बहरहाल अमेरिका के राष्ट्रपति की कुर्सी पर दोबारा बैठने के बाद जब डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस के संयुक्त सत्र को पहली बार संबोधित किया तो उनकी भाषा प्रचार भाषणों या उसी जगह छह हफ्ते पहले दिए गए उद्घाटन भाषण से अलग नहीं थी। जब वे बोलने के लिए मंच पर खड़े हुए तब उनकी छेड़ी कारोबारी जंग के कारण शेयर बाजार डूब रहे थे, गैलप के मुताबिक उन्हें राष्ट्रपति के तौर पर 45 फीसदी लोगों ने पसंद किया था। कार्यकाल की इतनी अवधि के बाद विभिन्न राष्ट्रपतियों को मिली रेटिंग के मामले में ट्रंप नीचे से दूसरे स्थान पर थे। सबसे कम 40 फीसदी रेटिंग भी उनके नाम के आगे ही लिखी है, जो 2017 में उन्हें मिली थी। इसके बाद भी ट्रंप 90 मिनट से ज्यादा बोले, जो अमेरिका के आधुनिक इतिहास में सबसे लंबा भाषण था। इसमें भी जुमले ज्यादा थे और तथ्य कम। अपने गढ़े तथ्यों, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन की बातों, ऊंचे वादों और नाटकीयता के बीच ट्रंप के संबोधन से दो संकेत साफ नजर आए। सबसे घातक बात यह थी कि टैरिफ वॉर (शुल्क वृद्धि) से पीछे हटने का उनका कोई इरादा नहीं है। मंगलवार को उन्होंने मेक्सिको और कनाडा पर 25 फीसदी शुल्क लगाने की धमकी को अंजाम दे डाला और चीन से आयात पर 10 फीसदी शुल्क और लगाकर उसे 20 फीसदी कर दिया। उनके समर्थक कहलाने वाले द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने भी ट्रंप के इस फैसले को 'सबसे बेवकूफाना शुल्क उपाय' करार दिया। कांग्रेस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बराबरी का शुल्क 2 अप्रैल से शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'वे हम पर जितना कर लगाएंगे, हम भी उन पर उतना ही कर लगाएंगे। अगर वे दूसरे तरीके अपनाकर हमें अपने बाजार से बाहर करेंगे तो हम भी उन्हीं तरीकों से उन्हें अपने बाजार से बाहर कर देंगे।'वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिका गए हैं और ट्रंप ने कहा कि भारत वाहन पर 100 फीसदी कर लगा रहा है। उन्हें यह भी ध्यान नहीं रहा कि भारत ने इस बार के अपने बजट में यह कर घटाकर 30 फीसदी कर दिया है। कुछ भी अप्रत्याशित कर देना ट्रंप का शगल है और इसीलिए भारत को यूरोपीय संघ के साथ अपने व्यापार समझौते को जल्द से जल्द अंजाम तक पहुंचा देना चाहिए। पिछले सप्ताहांत पर इस सिलसिले में सकारात्मक बातचीत हुई थी, जो दक्षिण पूर्व एशिया के तेजी से बढ़ते बाजारों के साथ मिलने और शुल्क व्यवस्था को तेजी से दुरुस्त करने का मौका दे सकती है।

ट्रंप के भाषण में यूक्रेन-रूस शांति वार्ता आगे बढ़ने का संकेत भी मिला। यूक्रेन को अमेरिकी सहायता के बड़े-बड़े दावों के बावजूद इसके महत्त्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ ओवल कार्यालय में हुई तनातनी सार्वजनिक हो जाने के बाद ट्रंप ने जेलेंस्की के पास से आई चिट्ठी पढ़ी जिससे लगा कि खनिज सौदे के बदले शांति पर बातचीत परवान चढ़ सकती है। देश को अपने साथ लेने की कवायद के तौर पर उनका भाषण कामयाब नहीं रहा।रिपब्लिकन सदस्यों ने तो सराहना की मगर डेमोक्रेटिक सांसदों की खाली सीटें बताती हैं कि अमेरिका राजनीति में किस कदर दो-फाड़ है। चीन और कनाडा तथा मेक्सिको के जवाबी वार के बीच व्यापारिक जंग थमती नहीं दिखती, जबकि येल की बजट लैब कहती है कि अमेरिका में कीमतें 1 से 1.2 फीसदी तक बढ़ जाएंगी। अमेरिका के लोग नवंबर की चुनावी जंग में अपने फैसले की कीमत आंकना जल्द ही शुरू कर सकते हैं मगर स्टेट ऑफ यूनियन एड्रेस कहलाने वाले इस संबोधन से यही पता चलता है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए संकेत विश्लेषकों के अनुमान से भी खराब हैं।

हिंदी विवाद के बीच पच्चीस बोलियों को 'खा' जाने की बात

तमिलनाडु में डीएमके सरकार के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाजपा और केंद्र सरकार से अपनी राजनीतिक लड़ाई में जिस तरह हिंदी को खलनायक बनाने की कोशिश की है, उसके पीछे आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वोटों की गोलबंदी तो है ही साथ में यह आरोप भी है हिंदी उत्तर भारत में अपनी पच्चीस बोलियों को खा गई। इस आरोप में आंशिक सच्चाई है, लेकिन इसके पीछे कारण वो नहीं है, जो स्टालिन अपने सियासी चश्मे से गिना रहे हैं। आज अगर मानक हिंदी अपनी उपभाषाओं और बोलियों पर हावी हो रही है तो इसके पीछे बोलियों के संहार की मंशा न होकर मानक हिंदी भाषा का व्यावहारिक कारणों से बढ़ता इस्तेमाल है। 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में 96.71 फीसदी आबादी भारतीय मानक भाषाओं का प्रयोग करती हैं। बोलियों का विलुप्त अथवा धीरे धीरे चलन से बाहर होते जाना, यह समस्या अकेले हिंदी के साथ ही नहीं है बल्कि उन सभी संविधान मान्य 22 भारतीय भाषाओं के साथ है, जो अब अपने अपने राज्यों की राजभाषाएं भी हैं, जिसमे खुद स्टालिन की मातृभाषा तमिल भी शामिल है।

मानक हिंदी के बढ़ते चलन के कारण हिंदी की 18 बोलियों का दायरा सिकुड़ जरूर रहा है, लेकिन यह कहना कि हिंदी सुनियोजित तरीके से उनको 'खा' रही है, अपने आप में कुत्सित भाव लिए हुए है। स्टालिन को हिंदी के बारे में इतनी दुराग्रह पूर्ण गहरी जानकारी भी किसी ने दी ही होगी। अपने केंद्र पर सियासी वार में स्टालिन ने दावा किया कि यूपी बिहार कभी हिंदी क्षेत्र नहीं थे तथा बीती एक सदी में जबरन हिंदी थोपने से उत्तर भारत की 25 भाषाएं समाप्त हो गईं।

एक्स पर अपनी पोस्ट में स्टालिन ने कहा कि हिंदी के कारण भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका, हो, खरिया, खोरठा, कुरमाली, कुरुख, मुंडारी, और कई सारी भाषाएं अब अस्तित्व के लिए हांफ रहे हैं। हालांकि भाजपा ने स्टालिन के इस बयान को 'मूर्खतापूर्ण' कहा है। भाषा विज्ञान के अनुसार यूपी की 'पूर्वी हिंदी' और बिहारी की 'बिहारी हिंदी' मानक हिंदी से थोड़ी अलग जरूर है, लेकिन वह हिंदी क्षेत्र का भाग नहीं है, यह सरासर असत्य है।

अलबत्ता स्टालिन की पोस्ट में यह चिंता जरूर विचारणीय है कि हिंदी सहित सभी मानक भारतीय भाषाओं के अतिक्रमण से उनकी बोलियां और उप भाषाएं अपना वजूद कैसे बचाएं? खासकर वो बोलियां जो कभी मान्य भाषाएं ही थीं, लेकिन कालांतर में बोलियां बन कर रह गईं। जाने माने पत्रकार पी. साईनाथ का कहना है कि अवधी, ब्रज, भोजपुरी जैसी भाषाओं को बोलियां कहना ही गलत है। हिंदी की तरह मानक कन्नड के कारण वास्तव में मान्य भाषाएं ही हैं, लेकिन अब मानक भाषाओं की दबंगई के आगे बोलियां कहलाने लगी हैं, प्रचलन से या तो बाहर होती जा रही है या

फिर उनका दायरा ग्रामीण क्षेत्रों तक सिमटता जा रहा है। जहां तक आधुनिक और मानक हिंदी की बात है तो इसका इतिहास ही करीब डेढ़ सौ साल पुराना है। इसे भी शुरू में खड़ी बोली ही कहा जाता था।

हिंदी के भी विद्वानों के अनुसार हिंदी के भी पांच रूप हैं। पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, बिहारी हिंदी, राजस्थानी हिंदी और पहाड़ी हिंदी। इनमें भी विभिन्न कारणों से पश्चिमी हिंदी ही पहले खड़ी बोली और आज की मानक हिंदी के रूप में स्थापित हो गई है। यही राजभाषा भी है और विदेशियों के लिए भी 'हिंदी'से तात्पर्य इसी मानक हिंदी से है। शिक्षण संस्थानों में भी यही हिंदी पढ़ाई जाती है। हालांकि इस मानक हिंदी का स्वरूप भी बदलता रहा है। यह हिंदी अपनी बोलियो से ही ऊर्जा प्राप्त करती है। साथ ही उसे अन्य भाषाओं से शब्द संपदा लेने से गुरेज नहीं है। लिहाजा इसकी पाचन शक्ति भी अंग्रेजी की तरह विराट है। यह हिंदी चाहे अनचाहे दूसरी भाषाओं से शब्द, तेवर और मुहावरे लेती जा रही है और खुद को समृद्ध करती जा रही है। ऐसा नहीं है कि भाषा का यह आदान-प्रदान एकतरफा हो, अन्य भारतीय भाषाएं भी व्यावहारिक तकाजों की वजह से हिंदी से शब्द और मुहावरे आयात कर रही हैं।

कई बार तो यह आरोप भी लगता है कि हिंदीतर भारतीय भाषाएं हिंदी के 'अतिक्रमण' से भी जूझ रही हैं। सच्चाई यही है कि आज आर्थिक, सामाजिक और भौगोलिक कारणों से भी हिंदी देश की सर्वाधिक स्वीकार्य भाषा स्वतः बनती जा रही है, जिसमें राजनीतिक पलीता लगाने की कोशिश बहुत ज्यादा सफल शायद ही हो।

हिंदी की विराट पाचन शक्ति ही यदि अन्य भारतीय भाषाओं के पैरोकारों को भाषा भक्षी राक्षसी वृत्ति लग रही है तो यह उनका दृष्टि दोष है। आखिर 140 करोड़ के बहुभाषी, बहुजातीय और बहुसंस्कृति वाले देश में एक बहुमान्य संपर्क भाषा समय की मांग है। अगर प्रौद्योगिकी हमे भौतिक रूप से करीब ला रही है तो अभिव्यक्ति और परस्पर संवाद के स्तर पर भी एक ऐसी भाषा की नैसर्गिक दरकार है, जिसके जरिए भारत के नागरिक एक दूसरे से जुड़ सके।

यह भाषा केवल हिंदी ही हो सकती है, क्योंकि वह इसी जमीन, देशज भाव और प्रेरणा और सांस्कृतिक आग्रह और दबाव से उपजी भाषा है। स्टालिन अगर चाहें कि हिंदी की जगह अंग्रेजी ले ले या फिर तमिल को यह ताज सौंपना चाहें तो यह व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। क्योंकि संपर्क भाषा वही बन सकती है, जिसे ज्यादा से ज्यादा लोग बोल और समझ सकते हों। निश्चय ही तमिल भाषा का अपना महत्व है, वह भी बहुदेशीय भाषा है, लेकिन भारत में वह हिंदी का विकल्प नहीं हो सकती।

अब सवाल यह है कि क्या सचमुच हिंदी अपनी उन बोलियों को खा रही है, जो उसकी पूर्वज और काफी हद तक जन्मदात्रियां हैं। वर्तमान में हिंदी की कुल 18 बोलियां हैं।

जो भौगोलिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुसार अलग अलग क्षेत्रों में आज भी चलन में हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जैसे-जैसे आधुनिक शिक्षा और शहरीकरण बढ़ रहा है, बोलियों का साम्राज्य घट रहा है। बोलियां अब ग्रामीण क्षेत्रों तक सिमटती जा रही हैं। हालांकि उन में भी साहित्य रचा जा रहा है, लेकिन उसकी मान्यता और लोकप्रियता सीमित है।

दरअसल पढ़-लिख जाने और घर में बोली के प्रयोग को पिछड़ा या गंवारपन समझने की भ्रामक मान्यता के कारण जिन घरों में कुछ साल पहले तक स्थानीय बोली बोलने का चलन था, उनमें भी अब मानक हिंदी ही बोलने और लिखने का चलन है। मीडिया की मुख्य भाषा भी यही है। इसके लिए हिंदी दोषी नहीं है बल्कि आधुनिक और सभ्य कहलाने की हमारी अपनी बनाई परिभाषा है।

अब तो यह हो गया है कि बच्चा स्कूल जाते ही धीरे धीरे पहले अपनी मातृबोली को तिलांजलि देता है फिर अंग्रेजी रंग में रंगने की कोशिश करता है। इसके लिए दोषी बच्चों के मां-बाप भी हैं, जो खुद ही घरो में बोली में संवाद बंद कर चुके हैं। बोलियां व पूर्वजों द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली भाषा को तजने के पीछे सोच यही है कि जब हिंदी जानने से ही रोजगार नहीं मिलता तो बोली को जिंदा रखने से क्या हासिल होगा? यानी कमाई और कथित रूप से सभ्य कहलाने की चिंता समूची सांस्कृतिक चेतना पर हावी है।

ऐसे में उनकी मूल बोली किसी मानक भाषा के कारण मर रही है, इसको लेकर कोई खास मलाल नहीं है। भाव यही है कि अगर बोली से मातृभाषा और आंचलिक अस्मिता कायम रहने के अलावा कोई सुख नहीं मिल रहा तो इसे जिंदा रखने से क्या लाभ है? लेकिन यह समस्या केवल हिंदी की बोलियों की ही नहीं हैं अन्य भारतीय भाषाओं की भी यही कहानी है, जिसमें मराठी, बंगाली, कन्नड़ और तमिल भी शामिल है। खुद तमिल की 21 बोलियां हैं। जिसमे मध्य तमिलनाडु में बोली जाने वाली तमिल को ही मानक भाषा माना जाता है। यह मानक भाषा ही पढ़ाई जाती है और साहित्य रचना भी मुख्य रूप से इसी भाषा में है। शासकीय व्यवहार की भाषा भी यही है। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में बोली जानी वाली तमिल मद्रास बाशई (भाषाई) कहलाती है, जो तमिल के अलावा तेलुगू, कन्नड, उर्दू, संस्कृत मलयालम आदि भाषाओं का मिश्रण है। इसकी तुलना बंबइया हिंदी से की जा सकती है। तमिल फिल्म इंडस्ट्री में इसी भाषा का प्रयोग होता है। यही संपर्क भाषा भी है। खास बात यह है कि तमिलनाडु में ब्राह्मणों द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली तमिल ब्राह्मण तमिल कहलाती है, जिसमें संस्कृत शब्द प्रचुर मात्रा में हैं। कहने कहने का आशय यह कि मानक तमिल भी तमिल बोलियों पर हावी हो रही है तो इसकी वजह व्यवहार में एकरूप तमिल की आवश्यकता है और जो कि स्वाभाविक है। इसी तरह अगर मानक हिंदी बोलियों का आंचल सिकुड़ रही है तो इसके पीछे उनका गला घोंटने की मंशा नहीं है, समय, सर्व सम्प्रेषणीयता और बढ़ते प्रादेशिक संपर्क की नैसर्गिक दरकार है। यह बड़ा सवाल है कि मानक भाषाओं के दबाव के आगे बोलियो खुद को कैसे और किस रूप में बचाएं। इस सांस्कृतिक संपदा को आने वाली पीढ़ियों तक कैसे पहुंचाएं, कैसे उन्हें प्राचीन भाषा और मृत भाषा के तमगे के बचाएं। इसका उत्तर हमें अपने आप से पूछना होगा।

ट्रंप का भाषण अमेरिका का मिजाज है, लेकिन...

डोनाल्ड ट्रंप कैसे इतने अड़ियल बने रहते हैं, यह समझना मुश्किल है। पिछले आठ सालों में अमेरिका कितना बदल गया है, यह ट्रंप दिखा रहे हैं। लेकिन डेमोक्रेट्स समझ नहीं पा रहे हैं कि करें तो क्या। 2017 में जब ट्रंप पहली बार ओवल ऑफिस में आए थे, तब जनता की ताकत, एक स्वतंत्र न्यायपालिका और रिपब्लिकन पार्टी के कुछ समझदार नेताओं ने मिलकर ट्रंप को अपने चुनावी वादे पूरे करने से रोका था। ये वादे थे मुसलमानों के अमेरिका आने पर रोक और ओबामा के हेल्थकेयर प्रोग्राम को खत्म करना। लेकिन अब एक अरबपति, जिसे जनता ने नहीं चुना, वह संसद द्वारा मंजूर की गई विदेशी मदद और गलत सूचनाओं के खिलाफ चल रहे कार्यक्रमों को बंद कर रहा है। साथ ही, उनके राजनीतिक नियुक्तियों से आए अनुभवहीन लोग संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं, जिनमें पेंटागन, एफबीआई और स्वास्थ्य विभाग शामिल हैं।

मंगलवार रात को संसद के संयुक्त सत्र को ट्रंप का संबोधन उनकी आदत के मुताबिक झूठ, अर्धसत्य और सुविधाजनक सच्चाइयों का मिश्रण था। उन्होंने दावा किया कि उनके दूसरे कार्यकाल का पहला महीना जॉर्ज वॉशिंगटन के समय के बाद सबसे सफल रहा। उन्होंने यूक्रेन को अमेरिकी मदद 350 बिलियन डॉलर होने का झूठ दोहराया। असली आंकड़ा 100 बिलियन डॉलर से थोड़ा ज्यादा है। उन्होंने गैरकानूनी अप्रवासियों के जघन्य अपराधों का जिक्र किया, लेकिन इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया कि उनके कई छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायी समर्थक ऐसे मजदूरों पर निर्भर हैं जो बिना कागजात के मैक्सिकन सीमा पार करके आते हैं।

अपनी आदत के अनुसार ट्रंप ने कोई तार्किक दलीलें नहीं दीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने अंग्रेजी को 'अमेरिका की आधिकारिक भाषा' बनाने का आदेश दिया है, 'मेक्सिको की खाड़ी' का नाम बदलकर 'अमेरिका की खाड़ी' कर दिया है, 'विविधता और समानता के अत्याचार को समाप्त' कर दिया है, और अमेरिकी सरकार की आधिकारिक नीति बना दी है कि 'केवल दो लिंग हैं- पुरुष और महिला'। यह सब नाटक था, लेकिन पिछले तीन अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में जनता को गुस्से और वास्तविक मुद्दों में से चुनना था और ट्रंप दो बार जीत चुके हैं।

यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि डेमोक्रेट्स ट्रम्प का मुकाबला कैसे करें। ट्रम्प के भाषण का सबसे जबरदस्त विरोध टेक्सास के कांग्रेसी अल ग्रीन ने किया, जो जानबूझकर सदन से बाहर निकल गए। कुछ डेमोक्रेटिक सांसद 'झूठ' लिखे पोस्टर लहराते रहे जब भी ट्रंप कुछ ज्यादा ही गलत कहते। लेकिन कोई भी तरीका काम करता नहीं दिखा। मेरे गृह राज्य मिशिगन की नई सीनेटर एलिसा स्लोटकिन ने ट्रंप के भाषण का जवाब दिया। उनका तर्क था कि ट्रंप ऐसे काम कर रहे हैं जिनसे उनके 'अरबपति दोस्तों' को फायदा होगा, लेकिन लाखों अमेरिकी मतदाताओं को नुकसान होगा, चाहे उन्होंने किसी को भी वोट दिया हो। समस्या यह है कि पिछले तीन में से दो चुनावों में मेरे पड़ोसियों ने ट्रंप को चुना है।

एक पुरानी कहावत है कि बंदूक की लड़ाई में चाकू लेकर मत जाओ। लेकिन यह साफ नहीं है कि ट्रंप किस तरह की लड़ाई लड़ रहे हैं, और डेमोक्रेट्स को क्या करना चाहिए ताकि 2028 में उनकी पार्टी की ताकत जेडी वेंस जैसे चालाक और सनकी नेता के हाथ में न चली जाए। ट्रंप का दो घंटे का भाषण उबाऊ नहीं था, लेकिन वास्तविक भी नहीं था। उनकी पहली खास मेहमान एक महिला वॉलीबॉल खिलाड़ी थीं, जिन्हें ट्रंप के अनुसार एक पुरुष खिलाड़ी द्वारा मारे गए बॉल से सिर में चोट लगी थी। लेकिन जैसा कि सीएनएन के राजनीतिक विश्लेषक वैन जोन्स ने कहा, 'पूरे देश में ट्रांसजेंडर एथलीटों से ज्यादा टेक्सास में खसरा के मामले हैं।'

अमेरिकी राजनेता हमेशा से सच्चाई को तोड़-मरोड़ कर पेश करते रहे हैं, लेकिन आज जो हो रहा है वह बिल्कुल अलग है। एक पार्टी दुनिया की वास्तविकता से जुड़ी है, जबकि दूसरी एक काल्पनिक दुनिया बना रही है जिसमें उसका शासन 'स्वर्ण युग' लाया है, जबकि विरोधी दल देश को 'विविधता, समानता और समावेश' की भयावह परिस्थिति में धकेलने की कोशिश कर रहा है।

मेरी पत्नी अभी भी रूसी नागरिक है। जब हम ट्रंप के भाषण के बाद फॉक्स न्यूज पर एक-एक करके रिपब्लिकन नेताओं को राष्ट्रपति की तारीफ करते देख रहे थे, तो उसकी प्रतिक्रिया सरल थी, 'तुम्हारे भी हमारे जैसे ही बुरे हैं।' तभी टेक्सास के रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज टीवी पर आए। डेमोक्रेट्स के बारे में बोलते हुए क्रूज ने कहा, 'वे एक कमांड और कंट्रोल वाली सत्तावादी पार्टी हैं।'

2016 में ट्रंप ने क्रूज की पत्नी का अपमान किया था और इशारा किया था कि उनके पिता जॉन एफ. कैनेडी की हत्या में शामिल थे। तब ट्रंप, क्रूज को 'झूठा टेड' और मौजूदा विदेश मंत्री को 'छोटा मार्को' कह रहे थे। तब वेंस, ट्रंप की तुलना हिटलर से कर रहे थे और एलन मस्क पत्रकारों से कह रहे थे कि ट्रंप का 'चरित्र देश के लिए अच्छा नहीं है'।

पिछले आठ सालों में कुछ बदल गया है। ऐसा कोई संकेत नहीं है कि डेमोक्रेट्स को इसका विरोध कैसे करना है, यह पहले से ज्यादा पता है। इस बीच ट्रंप अपने भड़काऊ खेल में और भी माहिर हो गए हैं। अमेरिका के अरबपति राष्ट्रपति ने मंच से कहा, 'मुझे भगवान ने अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए बचाया है, मुझे सच में यकीन है।'' इस बात पर मुझे हंसी आई, हालांकि इसमें कुछ भी मजेदार नहीं है।

थाना रामनगर द्वारा रात्रि कॉबिंग गस्त में काफ़ी अरसे से फरार 02 स्थायी

02 गिरफ्तारी वारंट तामील किये गए

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान द्वारा आदेशित बुधवार की रात्रि जिले में काबिंग गस्त के दौरान फरार चल रहे गिरफ्तारी वारंटी की तामीली जिला बदल आरोपियों की घर चेकिंग , निगरानी एवं गुण्डा बदमाशो की चेकिंग एवं वसुली वारंटी की तामीली हेतु निर्देशित किया गया था।
दौरान गश्त रामनगर पुलिस द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री इसरार मन्सूरी एवं एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के निर्देशन में अलग अलग पार्टीयों नें वांछित अपराधियों की धरपकड़ की जाकर फरार चल रहे 02 स्थाई, 02 गिरफ्तारी वारंट तामील किया गया। माननीय रश्मि बागरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोतमा जिला अनूपपुर मध्य प्रदेश के प्रकरण क्रमांक 1688 /17 अप0क्र0 244/17 धारा 379 346 IPC के स्थाई वारंटी रूप सिंह पाव पिता चुन्नू लाल पाव उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम फूलकओना एवं प्र0क्रमांक 660/ 17 अपराध क्रमांक 208 /17 धारा 498 ए 323 506 के वारंटी धरमलाल बंसल पिता बह्वद्यडुडु बंसल उम्र 35 वर्ष निवासी आमआदंड तथा माननीय सुश्री गुंजन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोतमा के प्रकरण क्रमांक 555 / 22 अपराध क्रमांक 277/22 धारा 34(1)आबकारी एक्ट के गिरफ्तारी वारंटी रिबन सिंह पिता स्व. लाल सिंह मरावी उम्र 27 वर्ष निवासी ददई बहरा थाना भालूमाढा व हीरा सिंह मरावी पिता लखन सिंह मरावी उम्र 25 वर्ष निवासी ददई बहरा थाना भालूमाड़ा के वारंट तामीली में थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुमित कौशिक, एएसआई अशोक सिंह, प्र आर श्याम शुक्ला, प्र आर सनत द्विवेदी, प्र आर हरीश डहेरिया, म आर पूजा राजपूत का सराहनीय योगदान रहा है।

रोजगार मेले मे 107 आवेदकों का प्रारंभिक चयन

विधायक ने युवाओं का किया उत्साहवर्धन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, जिला रोजगार कार्यालय तथा मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत शाजापुर द्वारा युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन गुरुवार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर में किया गया, जिसमें 259 आवेदकों ने भाग लेकर साक्षात्कर दिया। मेले का शुभारम्भ अरूण भीमावद द्वारा किया गया। विधायक द्वारा मेले में मौजूद युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए शासन द्वारा किए जा रहे आयोजनों में बढ़-चढकर भाग लेने एवं योजनाओ का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होने मेले में उपस्थित समस्त नियोजकों से उनके द्वारा दिए जा रहे रोजगार स्वरोजगार एवं प्रशिक्षणों की जानकारी भी ली। रोजगार मेले में नवभारत फर्टिलाईजर भोपाल, यशस्वी अकेडमी स्कील्स प्रालि देवास, चेतन्य इंडिया फिन क्रेडिट इंदौर, वीई कर्मिशियल व्हीकल प्रालि पीथमपुर, हेल्प पेरा प्रालि उज्जैन, शिवोमतीर्थ तोलकांटा शाजापुर, लुमिना सोलर शाजापुर, वजीर एडवाईजर प्रालि इंदौर, एसबीआई इंश्योरेंस शाजापुर, जस्ट डायल उज्जैन, प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र आईसेट शाजापुर आदि कंपनियों के द्वारा विभिन्न पदों हेतु साक्षात्कार लेकर 107 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया। साथ ही जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र शाजापुर द्वारा 21, औद्यौगिक प्रशिक्षण संस्था शाजापुर द्वारा 25 एवं आरसेटी शाजापुर द्वारा 34 आवेदकों का स्वरोजगार एवं प्रशिक्षण हेतु चयन किया गया। इस मौके पर प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी राजाराम कटारिया, बीकेएसएन प्राचार्य डॉ बीएस विभूति, बीएल गुवाटिया, डॉ आरसी चौहान, बलवन्त शितौले, प्रो मीनू गिडवानी, डॉ वीपी मीणा, डॉ दिनेश निंगवाल, डॉ बीके सोलंकी, डॉ दौलतराम राठौर, प्रो गरिमासिंह परिहार, रघुवीरसिंह पंवार, प्रबंधक आईसेट भरत चतुर्वेदी, आरसेटी के निर्देशक मुकेश कुमार गेहलोत, रवि कुमार हंस, राकेश फुलेरिया, राजेन्द्र राठौर, देवनारायण मालवीय आदि उपस्थित थे।

जनपद के नोडल अधिकारी रविन्द्र ने की विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा

जनप्रतिनिधियों के अनुभवों का उठाएं लाभ - नोडल अधिकारी रविन्द्र

कैम्प लगाकर फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में लाएं तेजी

लेखपाल गांव में रहकर शत-प्रतिशत करें डिजिटल क्रॉप सर्वे पूर्ण, अपलोड करें त्रुटिरहित डाटा

कोई भी सीएचसी एवं पीएचसी बिना चिकित्सक के न रहें

कृषक बंधुओं से संबंधित कार्यों एवं योजनाओं को दी जाए प्राथमिकता

सभी निराश्रित गोवंशों का करें संरक्षण, अस्थाई गोआश्रय स्थलों को स्थाई बनाने हेतु शासन को भेजें प्रस्ताव

चारागाह की समस्त भूमि पर हो हरे चारे की बुवाई

माँ शाकुम्भरी क्षेत्र के पर्यटन विकास में लाएं तेजी

अन्नदाताओं को उत्पादन बढाने हेतु नई वैज्ञानिक पद्धतियों के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र को दिए निर्देश

प्राथमिक विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों का कराएं दाखिला

पेंशन योजनाओं में कोई भी पात्र न रहे वंचित, समय से मिले लाभ

निर्माणाधीन परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ समय से करें पूर्ण

निर्धारित समय पर कार्य पूर्ण न होने पर नियमानुसार की जाए कार्रवाई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, प्रमुख सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश शासन एवं जनपद के नोडल अधिकारी रविन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आहूत की गई। नोडल अधिकारी रविन्द्र ने निर्देश दिए कि कैम्प लगाकर फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लाई जाए। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 01 ट्रिलियन डॉलर बनाने में डिजिटल क्रॉप सर्वे का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा इसलिए लेखपाल गांव में रहकर डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्य को त्रुटिरहित पूर्ण करें। कृषक बंधुओं से संबंधित कार्यों एवं योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए। पेंशन योजनाओं से संबंधित कोई भी पात्र पेंशन से वंचित न रहे। सभी पात्रों को समय से पेंशन दिलाना सुनिश्चित किया जाएं। उन्होंने बीएसए को निर्देश दिए कि प्राथमिक विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों को नामांकित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने गौआश्रय स्थलों की जानकारी लेते हुए सहभागिता योजना के तहत समय से सभी संबंधितों का भुगतान करना सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी निराश्रित गोवंशों को गोआश्रय स्थलों में संरक्षित करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अस्थाई गोआश्रय स्थलों को स्थाई में परिवर्तित करने हेतु भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव भेजा जाए। उन्होंने कहा कि पशु टीकाकरण शत-प्रतिशत करते हुए उसे पशुधन एप पर फीड करना सुनिश्चित करें। कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमि को नियमानुसार उपयोग न करने तथा कृषकों के मध्य नई तकनीकों का प्रचार-प्रसार न करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समन्वयक से समस्त जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि विभिन्न गोष्ठियों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक कृषकों को नई-नई वैज्ञानिक तकनीकों एवं पद्धतियों के बारे में बताया जाए। उन्होंने शासन स्तर पर समन्वयक द्वारा दी गई जानकारी को लेने के बाद नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए तथा जनपद में किए जा रहे कार्यों को शासन को भेजने के लिए कहा। नोडल अधिकारी रविन्द्र ने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि सुनिश्चित कराएं कि कोई भी सीएचसी एवं पीएचसी बिना चिकित्सक के न रहे। साथ ही सभी चिकित्सालयों में जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिन लाभार्थियों की किसी कारणवश किश्तें जारी नहीं हो पाई उन कारणों को चिन्हित कर दूर किया जाए। आवास हेतु चल रहे सर्वे में कोई भी पात्र छूटने न पाए। प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत के तहत बेहतर कार्ययोजना बनाकर जनपद के सभी 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के शीघ्रता से आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। नोडल अधिकारी रविन्द्र ने जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना की समीक्षा करते हुए संबंधित फर्म द्वारा किए गये कार्यों पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय से परियोजनाओं को पूर्ण नहीं करने वालों पर नियमानुसार पेनल्टी लगाई जाए। निर्माण कार्य के फोरमेट में अनुबन्ध की तिथि अवश्य अंकित की जाए। सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के अन्दर पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। एनएच 709 बी फोरलेन बाईपास के निर्माण की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। माँ शाकुम्भरी देवी परिसर स्थित समेकित पर्यटन विकास की समीक्षा करते हुए उन्होंने कार्यदायी संस्था सीएनडीएस को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने नोडल अधिकारी को आश्वस्त किया कि उनके दिए गए निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने प्रमुख सचिव को जनपद को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए किये जा रहे कार्यों एवं एन0डी0पी0एस0 के तहत की जा रही कार्यवाही के बारें में विस्तार से अवगत कराया। इस अवसर पर नगर आयुक्त संजय चौहान, उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण संतोष कुमार राय, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, डीएफओ शुभम सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, पीडी डीआरडीए प्रणय कृष्ण सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कार्यदायी संस्थाओं के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

भिंड शिक्षा विभाग की मनमानी,नियमाविरुद्ध तरीके से जिले के ब्लॉकों में BEO के पद के सौंपे प्रभार!

भिंड जिला शिक्षा विभाग द्वारा नियमाविरुद्ध तरीके से शिक्षकों को बनाया गया Beo, विधायक ने विधानसभा में लगाया प्रश्न!

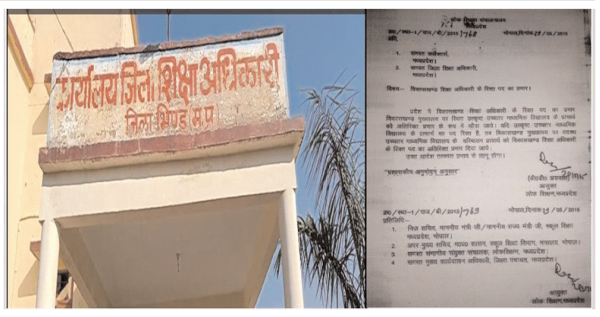

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ
भिंड, दअरसल मामला भिंड शिक्षा विभाग से जुड़ा है भिंड जिले शिक्षा विभाग द्वारा कई वरिष्ठ प्राचार्यों को दरकिनार कर भिंड जिले के ब्लॉकों में BEO के पद पर शिक्षकों को प्रभार सौंपे गए हैं जो कि नियमाविरुद्ध है भिंड जिले के कई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य इस आस में बैठे हैं कि कभी तो मौका मिलेगा कि हम भी BEO बनेंगे लेकिन ऐसा हुआ नहीं कई वर्षों से भिंड शिक्षा विभाग के द्वारा वरिष्ठ प्राचार्यों को दरकिनार कार्य कनिष्ठों को प्रभार सौंप रखे जबकि लोक शिक्षण संचनालय भोपाल के द्वारा भी एक आदेश 29/05/2015 क्र/स्था-1/राज/वी/2015 जारी किया गया था जिस आदेश में भी स्पष्ट लिखा गया है कि BEO के पद का प्रभार शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य या फिर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य को ही ब्लॉक्ष के पद का प्रभार सौंपा जाए लेकिन इस आदेश का भिंड में पालन नहीं किया जा रहा है इसका उल्लंघन जरूर किया जा रहा है इसी को लेकर गोहद के विधायक केशव देसाई ने मध्य प्रदेश विधानसभा में प्रश्न लगाया है कि एक शिक्षक को कैसे Beo बनाया जा सकता है अगर बनाया जा सकता है तो उससे जुड़ा आदेश यदि नहीं तो कब तक होगी कार्यवाही, विधानसभा में प्रश्न आने के बाद जिला शिक्षा विभाग में खलबली मची हुई है वहीं हमारे सूत्र बताते हैं कि जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा जिले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के वरिष्ठ प्राचार्यों और वरिष्ठ व्याख्याताओं पर दबाव बनाया जा रहा है कि आप लिखकर दो कि अपने Beoका पद लेने से इनकार कर दिया है, अब देखना होगा कि क्या जिन शिक्षकों को नियमाविरुद्ध तरीके से Beo बना दिया है उनको हटाया जाता है या फिर वह ब्लॉक्ष के पद पर तैनात रहेंगे।

चीनी मिल नानौता की प्रबंध समिति द्वारा लिए गए निर्णयों से अन्नदाताओं को होगा लाभ तथा जनपद को होगी प्रगति - डीएम मनीष बंसल

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई चीनी मिल नानौता की प्रबन्ध समिति की बैठक सम्पन्न

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में चीनी मिल नानौता की प्रबन्ध समिति की प्रथम बैठक आहूत की गयी। बैठक में प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार-विमर्श उपरान्त गन्ना कृषकों के द्वारा मिल में लाये जा रहे वाहनों के आवागमन में हो रही असुविधा के दृष्टिगत केन यार्ड की दो ट्राली लेन तथा एक हिच बोगी लेन की आर0सी0सी0 रोड का निर्माण, कॉटा संख्या 1 व 2 के मध्य आर0सी0सी0 फर्श का निर्माण कार्य के साथ-साथ चीनी गोदाम सं0 11 से ब्वायलर न0 4 व 5 हेतु बने ऐश पौड तक आर0सी0सी0 सडक का निर्माण कार्य जिससे किसानों को लाभ होगा। मिल की चीनी भण्डारण क्षमता में वृद्धि हेतु एक 1.00 लाख कुन्तल क्षमता के चीनी गोदाम के निर्माण कार्य पर सहमति बनी।
इस अवसर पर उप-सभापति रविन्द्र सिंह पुण्डीर, सचिव एवं प्रधान प्रबन्धक जयप्रकाश, संचालक राजपाल सिंह, विनोद कुमार, श्रीमती सुमन, अरविन्द कुमार, नवाब सिंह, अरूण कुमार, संजयवीर राणा, दल सिंह, प्रदीप राणा एवं जयपाल सिंह सहित संबंधित उपस्थित रहे।

महिलाएं घर, परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभा रही हैं - पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग

नारी के बिना मनुष्य के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती इसलिए हमें हमेशा नारी का सम्मान करना चाहिए - मंच संस्थापक अरुण अग्रवाल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, देवबंद नगर की प्रतिष्ठित व मानव सेवा को समर्पित संस्था मानव कल्याण मंच की महिला मंडल शाखा द्वारा यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता- अर्थात जहां नारी की पूजा होती है वहां पर देवता निवास करते हैं के सूत्र को अपनाकर महिला दिवस के उपलक्ष में नारी वंदन समारोह का आयोजन एस.के .पी. हैप्पी स्कूल, कायस्थवाडा देवबंद पर किया गया। कार्यक्रम में डॉ. श्रीमती मीनाक्षी त्यागी, आर एन प्ले स्कूल की संचालिका श्रीमती चंदनबाला जैन, सभासद व वर्ष 2025 की माँ त्रिपुर बाला सुंदरी देवी मेले की चेयरमैन श्रीमती महक चौहान, श्रीमती नीलम सिंघल सीनियर कोऑर्डिनेटर मेपल्स अकैडमी व श्रीमती फोजिया कौसर को नारी वंदन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे देवबंद
नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विपिन गर्ग ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आज की महिलाएं घर, परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभा रही हैं और उनके इन सभी योगदान के लिए वह सभी महिलाओं को प्रणाम करते है। श्री गर्ग ने कहा कि नारी धरती पर अपने सबसे पवित्रम रूप माता के रूप में होती है और मां को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है किंतु बदलते समाज के हिसाब से संतानों ने अपनी मां को महत्व देना कम कर दिया है। यह चिंताजनक पहलू है और नई पीढ़ी को इस बारे में आत्म अवलोकन करना चाहिए। मानव कल्याण मंच महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती अनिता बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में नारी और पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। आज नारी, समाज के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही है, चाहे रेलवे में लोको पायलट बनना हो चाहे हवाई जहाज का पायलट बनना हो, चाहे शिक्षक बनना हो, इंजीनियर बनना हो, हर क्षेत्र में महिलाएं तरक्की कर रही हैं। मानव कल्याण मंच के संस्थापक अरुण अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि नारी सृष्टि की जननी है नारी के बिना मनुष्य के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती इसलिए

हमें हमेशा नारी का सम्मान करना चाहिए। बच्चों में संस्कार देने का कार्य भी नारी ही करती है। उन्होंने कहा कि अगर हम इतिहास पर नजर डालें तो उसमें देखते हैं कि कई महिलाओं ने इतिहास में अपना नाम रोशन किया है। जिसमें देवी अहिल्याबाई होलकर, महादेवी वर्मा, सुचेता कृपलानी, कस्तूरबा गांधी, कल्पना चावला, मेरीकाम आदि जैसी कुछ प्रसिद्ध महिलाओं ने अपने मन वचन व कर्म से सारे जग संसार में अपना नाम रोशन किया है और इन्होंने अपने दृढ़ संकल्प के बल पर भारत व विश्व राजनीति को भी प्रभावित किया है। मंच के अध्यक्ष सुशील कर्णवाल ने सभी अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया द्य मंच महासचिव राजू सैनी ने मंच के मासिक कार्यक्रम के बारे में सभी को विस्तार से बताया। कार्यक्रम में नारी वंदन पुरस्कार से सम्मानित होने वाली महिलाओं में श्रीमती डॉक्टर मीनाक्षी त्यागी, श्री मति महक चौहान सभासद, श्री मति चंदनबाला जैन, श्री मति नीलम सिंघल, श्री मति फोजिया कौसर ने भी महिला दिवस के उपलक्ष में भारतीय संस्कृति में महिलाओं को यथोचित सम्मान दिए जाने पर अपने विचार व्यक्त किये। मानव कल्याण मंच के संस्थापक अरुण अग्रवाल द्वारा एस.के.पी. हैप्पी स्कूल के प्रबंधक आलोक मित्तल का आभार व्यक्त किया। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से मानव कल्याण कल्याण मंच महिला मंडल की मार्गदर्शक व पूर्व अध्यक्षा श्रीमती प्रतिभा जैन, उपाध्यक्ष पूजा छाबड़ा, महासचिव श्री मति मीनू शर्मा, कोषाध्यक्ष मति ममता वर्मा, श्रीमती अलका अग्रवाल, सुरभि अग्रवाल, अंजलि त्यागी, पूनम भटनागर, धीरज वर्मा, मेघा शर्मा, पूजा वर्मा, शुभलेश शर्मा, अंजना मिश्रा,अन्नू गोयल पूर्व अध्यक्ष राजीव शर्मा,श्याम चौहान सभासद प्रतिनिधि, यश बंसल, अमित गर्ग(बिट्टू), अजय जैन, आलोक मित्तल, मेघा मित्तल आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। आज के कार्यक्रम की संयोजिका मति अनीता बंसल रही। संचालन पूजा छाबड़ा ने किया।

देवरी माल गांव के मनरेगा मजदूरों को दो महीने से नहीं मिला काम – फावड़े – तगारी लेकर किया विरोध, पिछले काम का भुगतान भी बाकी

बुरहानपुर – नेपानगर क्षेत्र की देवरीमाल गांव में मनरेगा मजदूरों को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है देवरीमाल गांव में पिछले दो महीने से मनरेगा योजना के तहत कोई काम नहीं मिला इससे परेशान होकर गुरुवार को बड़ी संख्या में मजदूर अपने साथ फावड़े और तगारी लेकर पंचायत कार्यालय पहुंचे मजदूरों का कहना है कि पिछले काम का भुगतान अभी बाकी है किसी को चार-पांच दिन का तो किसी को एक दो सप्ताह की मजदूरी नहीं मिली है काम नहीं मिलने से कई मजदूर पलायन करने को मजबूर हो गए

मजदूर – बोले नियमित रूप से कार्यालय नहीं आते सचिव जनपद सदस्य प्रतिनिधि राजू वाघमारे बताया कि मजदूर लगातार पंचायत जाकर काम मांग रहे हैं पंचायत सचिव वीरेंद्र चौहान नियमित रूप से कार्यालय नहीं आते है गुरुवार को भी वह कार्यालय नहीं पहुंचे सचिव बोले – ऊपर से भुगतान लंबित सचिव वीरेंद्र चौहान कहना है कि रोजगार गारंटी योजना के तहत चार काम प्रस्तावित है इनकी तकनीकी स्वीकृति मिल चुकी है लेकिन वन क्षेत्र होने के कारण वन विभाग की एनओसी जरूरी है उन्होंने बताया कि वह सोनूद ग्राम पंचायत के काम देखते हैं तीन दिन देवरीमाल और तीन दिन सोनूद में काम करते हैं पुराना भुगतान ऊपर से नहीं आया है इसलिए लंबित है इस दौरान पंच शांताराम पवार, वसंत महाजन, रुआब तडवी और बंसी शंकर सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे

कलेक्टर की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारी के लिए बैठक सम्पन्न

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने बस स्टैंड का निरीक्षण किया

झाबुआ – झाबुआ भगोरिया में सम्मिलित होने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 9 मार्च 2025 को झाबुआ दौरा प्रस्तावित है। कलेक्टर नेहा मीना एवं पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल ने बस स्टैंड का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर नेहा मीना ने कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, मंच की व्यवस्था, बैरीकेडिंग, यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के झाबुआ में भगोरिया पर्व हेतु प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु बैठक ली गई। बैठक में कलेक्टर ने सम्पूर्ण कार्यक्रम की कानून व सुरक्षा व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिए और कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का कार्यक्रम गरिमामय रूप से किये जाने के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अतिथियों के ठहरने संबंधी व्यवस्था व अन्य प्रोटोकॉल व्यवस्थाए सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम स्थल पर मंच व्यवस्था व ग्रीन रूम व्यवस्था, हेलीपेड की व्यवस्था, विश्राम गृह संबंधी व्यवस्था, हेलीकाप्टर हेतु सिग्नल व्यवस्था, मंच की मजबूती का प्रमाणीकरण, हेलीपेड पर साफ-सफाई व अन्य व्यवस्था, टेन्ट व ग्रीन रूम की व्यवस्था एवं पब्लिक अनाउसमेंट व्यवस्था की जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर द्वारा हेलीपेड स्थल पर सुरक्षा की दृष्टि से बेरिकेटिंग किए जाने हेतु कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग झाबुआ को आवश्यकतानुसार बास/बल्लियां उपलब्ध कराना, हेलीपेड स्थल पर जंगली जानवरों/आवारा मवेशी से सुरक्षा संबंधी व्यवस्था एवं हेलीपेड से कार्यक्रम स्थल तक सड़क पर आवश्यक मरम्मत कार्य करवाने हेतु निर्देश दिए। कार्यक्रम स्थल पर निरन्तर विद्युत प्रवाह सुनिश्चित किये जाने, विद्युत कटोत्री इत्यादि के समय जनरेटर व्यवस्था, विद्युत कटोती से छुट प्राप्त करना एवं रूट में तारों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।कार्यक्रम स्थल पर अस्थाई चिकित्सा कक्ष की स्थापना, मय चिकित्सक दल के 01 एम्बुलेंस पुलिस को कारकेट हेतु उपलब्ध, एम्बुलेंस हैलीपेड कार्यक्रम स्थल पर खड़ी करवाना एवं एन्टीवेनम, स्ट्रेचर, ग्लुकोस आदि आवश्यक व्यवस्थाऐं करना प्रोटोकाल का ध्यान रखते हुए अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए।सम्पूर्ण कार्यक्रम स्थल पर अग्निशमन व्यवस्था साफ-सफाई व्यवस्था व अन्य व्यवस्था कार्यक्रम स्थल एवं हेलीपेड स्थल में आवश्यकतानुसार फायर बिग्रेड की व्यवस्था एवं अस्थाई शौचालय व्यवस्था किये जाने निर्देश दिए। मंच पर पानी की व्यवस्था करने, कार्यक्रम एवं हेलीपेड स्थल पर पेयजल पानी की गुणवत्ता की जाँच एवं अन्य आवश्यक जल संबंधी कार्यवाही, पेयजल वितरण हेतु केन तथा उससे जुडे ग्लास आवश्यक व्यवस्थाए करना। समस्त कार्यक्रम स्थल पर ड्युटी कर्मचारियों के लिये पेयजल व्यवस्था करना। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीएल कुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ भास्कर गाचले, एसडीओपी श्रीमती रूपरेखा यादव, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती निशा मेहरा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पिपलौदा मे श्रीमद भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव आज से

पं.श्री भीमाशंकर शास्त्री के मुखारविंद से सात दिनों तक कथा का श्रवण करेंगे श्रद्धालु

पिपलौदा – नगर में श्री सांवलिया सेठ के आशीर्वाद से होली के पावन अवसर पर सात दिवसीय श्री मद भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव का आयोजन 7 मार्च से 14 मार्च तक होगा। प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक पंडित श्री भीमाशंकर शास्त्री के मुखारविंद से श्रद्धालु कथा का श्रवण करेंगे। उक्त आयोजन रामजानकी मंदिर बाबाजी की कुटिया के सामने पुराना बस स्टेंड के पास होगा। महोत्सव समिति ने समस्त धर्म प्रेमी जनता, दानदाता बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में महोत्सव में पधारने का आग्रह किया।

बलवाडा थाना प्रागंण में बुधवार शाम पांच बजे शान्ति समिति की बेठक सम्पन्न

बलवाडा- आगामी त्यौहारों शांति पुर्ण परमपरागत मनाये विवाद की स्थिति से दुर रहते हुए कानुन व्यवस्था बनाये रखे बलवाडा टी आई सुनिल बामनिया ने शान्ति समीति की बेठक मे ग्रमीणो से की अपील।

बलवाडा थाना प्रागंण में बुधवार को शाम पांच बजे शान्ति समिति की बेठक आहुत की गई बेठक मे बलवाडा थाना क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे बेठक मे ग्रमीणो ने थाना क्षेत्र मे हो रही चोरीयो व अन्य गतिविधियों से टी आई बामनिया से चर्चा करते हुए सुरक्षा बदोबस्त की मांग की। इस अवसर पर टी आई ने कहा हमारा पुरा प्रयास आम नागरिक की सुरक्षा व शांति बनी रहे होता है ओर यह सब आपको सहयोग से ही हम करते हैं। गश्त नियमीत चल रही है हम इसे ओर बढाने का प्रयास करेंगे। आगामी समय त्यौहार का है सभी से आग्रह है कि उसे भाई चारे के साथ मनाये। विवादित स्थती से बचे। इस अवसर पर बलवाडा मुख्तारा हनुमनतीया पडाली आदी ग्रामो के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इसी श्रखला मे काटकुट चोकी व बागोद चोकी पर भी बेठक आयोजित की गई। उल्लेखनीय है की काटकुट ग्राम में भगोरिया बजार भी भरता है ओर इस बजार का सास्कृतिक महत्व है काफी क्षैत्र के ग्रामीण बजार घुमने भी जाते हैं।

छत्तीसगढ़ महतारी वंदन योजना में गड़बड़ियां उजागर

विधानसभा में विपक्ष का सरकार पर हमला

राजीव खरे । सिटी चीफ

रायपुर, छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को महतारी वंदन योजना में गड़बड़ियों को लेकर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया कि सरकार ने बिना किसी स्पष्ट प्रक्रिया के 63,000 से अधिक महिलाओं का नाम योजना से हटा दिया, जिससे हजारों पात्र लाभार्थी योजना के लाभ से वंचित रह गए।

विधानसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उमेश पटेल ने सरकार से सवाल किया कि जब योजना के तहत शुरू में 70 लाख से अधिक महिलाओं का पंजीकरण किया गया था, तो अब यह संख्या घटकर 69 लाख क्यों रह गई? उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह आंकड़ों में हेरफेर कर रही है और महिलाओं को उनके हक से वंचित किया जा रहा है।

इस पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सफाई देते हुए कहा कि कई महिलाओं के नाम दोहरे पंजीकरण, गलत दस्तावेज और स्वेच्छा से लाभ छोड़ने के कारण हटाए गए हैं। लेकिन विपक्ष ने इस स्पष्टीकरण को अस्वीकार कर दिया और सरकार को घेरते हुए वॉकआउट कर दिया।

महिलाओं के साथ अन्याय

कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा, पहले तो सरकार ने महिलाओं से फॉर्म भरवाए, फिर अब उनके नाम काटकर उन्हें योजना से बाहर कर दिया जा रहा है। यह सरासर अन्याय है। उन्होंने कहा कि सरकार को तत्काल इस मुद्दे की जांच करानी चाहिए और हटाई गई महिलाओं को फिर से योजना में शामिल करना चाहिए।

भाजपा का पलटवार

सरकार की ओर से भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को उनकी पहली किस्त जल्द ही दे दी जाएगी, और इस मामले में अनावश्यक राजनीति की जा रही है।

सदन में हंगामा, जांच की मांग

विपक्ष के सवालों के बाद सदन में माहौल गर्म हो गया। कांग्रेस विधायकों ने सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और मांग की कि योजना में की गई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच हो। लेकिन सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह अपनी प्रक्रिया में पारदर्शिता बरत रही है और अनावश्यक राजनीति से बचने की जरूरत है।

महिलाओं में रोष

इस विवाद के बीच कई महिलाएं, जिन्हें योजना से बाहर कर दिया गया है, सरकार से जवाब मांग रही हैं। कई प्रभावित महिलाओं ने कहा कि उन्होंने योजना के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए थे, फिर भी उनका नाम सूची से हटा दिया गया।

अब देखना होगा कि सरकार इस मामले में क्या रुख अपनाती है और क्या विपक्ष की मांग पर जांच कराई जाती है या नहीं। लेकिन विधानसभा में उठे इस हंगामे ने महतारी वंदन योजना की पारदर्शिता पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

झाबुआ जिले में भगौरिया हाट के दौरान रसना ठंडाई वितरण के साथ एलईडी टीवी के माध्यम से जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा

झाबुआ- जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आगामी 07 मार्च 2025 से 13 मार्च 2025 तक पारंपरिक भगौरिया हाट बाजार का आयोजन किया जाएगा। यह उत्सव जिले की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है, जो प्रत्येक वर्ष बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक झाबुआ पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबुआ प्रेमलाल कुर्वे के मार्गदर्शन में पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा और जागरूकता के पहलुओं पर विशेष ध्यान देते हुए

भगौरिया मेले के दौरान पुलिस विभाग द्वारा जिले के 10 प्रमुख भगौरिया हाट बाजारों में विभिन्न जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। इनमें साइबर जागरूकता, दहेज प्रथा के खिलाफ संदेश, महिला सुरक्षा, यातायात जागरूकता और बालिका शिक्षा, नए कानून, नशा मुक्ति, हेलमेट लगाकर वाहन चलाने हेतु पोस्टर, बैनर और एलईडी टीवी में वीडियो व फोटो के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इन अभियानों का उद्देश्य समाज में महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाना और लोगों को सही दिशा में मार्गदर्शन देना है।इसके अतिरिक्त, जनता को विशेष सेवा प्रदान करते हुए पुलिस विभाग द्वारा हाट बाजारों में %रसना ठंडाई% का वितरण भी किया जाएगा। जिससे लोगो को डिहाइड्रेशन से बचाया जा सके। यह ठंडाई कागज से बने डिस्पोजल में आम जनता को वितरित की जाएगी, ताकि एक ओर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी कदम उठाया जा सके।

इसके साथ ही मेले के दौरान पुलिस सहायता केंद्रों की स्थापना की जाएगी, जिससे मेले के दौरान लोगो को तत्काल पुलिस सहायता प्रदान की जा सके। पुलिस सहायता केंद्रों में डॉक्टर भी उपस्थित रहेंगे।

इस आयोजन का उद्देश्य न केवल स्थानीय सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखना है, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाकर विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा करना है। पुलिस विभाग की यह पहल झाबुआ जिले में एक सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

झाबुआ पुलिस सभी से निवेदन करती हैं कि वे इस उत्सव में सक्रिय रूप से भाग लें और मेले में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग प्रदान करें।

10 भगोरिया हाट स्थान निम्नानुसार है –

1. कालीदेवी
2. रानापुर
3. झाबुआ
4. काकनवानी
5. रायपुरिया
6. रंभापुर
7. थांदला
8. कल्याणपुरा
9. मदरानी
10. पारा

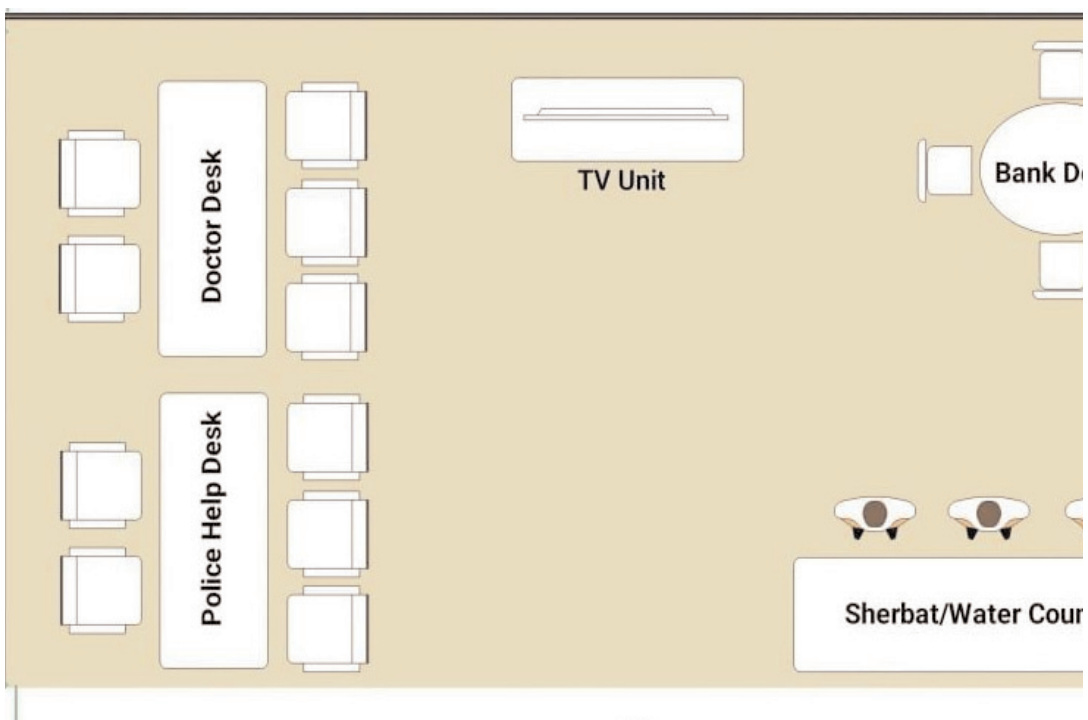

थांदला से एक आत्मा ओर संयम पथ पर अग्रसर होने को आतुर - ललित भंसाली धन वैभव को छोड़ लेंगें दीक्षा

18 मार्च को प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी को परिजन सौंपेंगे आज्ञा पत्र

झाबुआ

संसार में जीवन चलाने के लिए अनेक संघर्ष करना पड़ते है, फिर जिनके पास धन वैभव है उन्हें भी अधिक विलासिता की लालसा रहती है ऐसे में विरली आत्मा होती है जो करोड़ो की ऐश्वर्य भरी जिंदगी को पल भर में छोड़ कर अदृश्य दिव्य सुख की तलाश में निकल जाती है। उनके लिए तो तीर्थंकरों की वाणी ही शंका से रहित है तो गुरु वचन ही सत्य वचन है। उन्ही विरली आत्माओं में से एक है ललित भंसाली। थांदला के प्रतिष्ठित सुंदरलाल - तारादेवी भंसाली के अंतिम पुत्र थांदला श्रीसंघ अध्यक्ष भरत भंसाली व समाजसेवी अनिल भंसाली के लघु भ्राता के रूप में ललित का बचपन बड़े ही लाड़-प्यार व परम वैभव के साथ गुजरा। ललित ने पढ़ाई के साथ सामाजिक क्षेत्र में भी अनेक समाजसेवी संगठनों के साथ जुड़कर जनता के सुख-दु:ख में सहभागिता की तो व्यावसायिक क्षेत्रों में लेन-देन में पारदर्शिता के साथ प्रामाणिक भूमि व्यापारी

के रूप में उनके कार्यों ने पारिवारिक जिम्मेदारियों के सकुशल निर्वहन की अमिट छाप अंकित की है। ऐसे में उन्हें जीवन संगिनी के रूप में बड़वाह के उम्दा कलाकार घराने से संध्या का साथ मिला जिनके साथ समर्पण भाव को नकारा नही जा सकता।

ललित व संध्या ने एक दुसरे का सांसरिक पक्ष में तो साथ दिया ही वही आध्यात्मिक यात्रा में भी एक दूसरे के सहयोगी बने। ललित बताते है कि जब उनकी धर्म सहायिका गुरुभगवंतों से धार्मिक ज्ञान अर्जित कर घर आती थी व उसकी अनुप्रेक्षा करती थी ऐसे में उन दिनों वे एक कॉलोनी के प्लॉट का नक्शा बनाने में व्यस्त थे ऐसे में उनके सामने भगवान द्वारा लोक का स्वरूप जो दिखाया व समझाया गया उसे देखते व समझते उन्हें आध्यात्म की रुचि जगी। ललित के विकास यात्रा में लोक स्वरूप का महा योगदान समझने वाला है जिस लोक में आज का मानव जिंदगी की जद्दोजेहद में उलझ रहा है वही उनके उत्थान का मार्ग प्रशस्त करने में सहायक सिद्ध हुई है। भंसाली परिवार आने वाली 18 मार्च को धर्मदास गण के नायक जिन शासन गौरव पूज्य श्री उमेशमुनिजी 卐अणु卐 के अंतेवासी शिष्य बुद्धपुत्र प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी के कर कमलों में मुमुक्षु ललित भंसाली का आज्ञापत्र सौंपेंगें। उनके भाव को पुष्ट करने में भंसाली परिवार खासकर उनकी धर्म सहायिका का विशेष योगदान रहा है ऐसे में उनके आज्ञापत्र की पारिवारिक स्वीकृति से जन चर्चाओं का वातावरण निर्मित हो गया है। हर कोई जेनेत्तर बंधुओं में इसे आश्चर्यकारी घटना के रुप में देखा जा रहा है कि कोई कैसे इतनी धन-संपत्ति वैभव भरें वातावरण का छोड़कर दीक्षा ले सकता है तो जैन श्रावक-श्राविकाओं में उनके संयम अनुमोदना की प्रसंशा हो रही है। जीवदया अभियान व धर्मदास गण परिषद के अनेक सदस्यों द्वारा उनके व उनके परिवार के सर्वस्व क्षेत्रों में योगदान को न भुलाए जाने वालें स्टोन कहे जा रहे है तो ललित भाई के वैराग्य की मुक्त कंठ प्रसंशा कर रहे है। उनके वैराग्य में नि:सन्देह सबसे बड़ा योगदान उनकी धर्म सहायिका का है ऐसे में आज से ही दोनों के पथ भले ही अलग कहे जा रहे हो लेकिन भावों में दोनों के ही निर्मलता का वास है ऐसे में दोनों अलग-अलग कश्ती में भले ही सवार हो पर एक ही मंजिल के मुसाफिर माने जा सकते हैं। संघ प्रवक्ता पवन नाहर ने बताया कि छोटा काशी कहे जाने वाली धर्म नगरी थांदला से एक ओर रत्न आत्म कल्याण के मार्ग पर चलकर जिन शासन की धर्म प्रभावना को अग्रसर है उन्हें कोटिश: प्रणाम। संघ प्रवक्ता पवन नाहर ने बताया कि आज कांतिलाल, धर्मेश, चिराग, अनुदीप छाजेड़ परिवार द्वारा वर्षीतप आराधकों को पारणा करवाया गया ऐसे में उनका पहला वैराग्य वनोला भी हुआ जिसमें उनकी उपस्थिति ने सभी तपस्वियों को भाव विभोर कर दिया। जय-जयकार दीक्षार्थी की जयकारों से महावीर भवन गुंजायमान हो गया व हर कोई दिल से उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा रहा था कि आपको गुरूवर व सिद्ध प्रभु की अनंत कृपा मिलती रहे व संयम पथ आपको शीघ्र अनन्त सुख प्रदान करें।

स्वर्णिम 75 वर्ष के पुनरुत्थानशील भारत में महिला अधिवक्ताओं की भूमिका पर दिल्ली में विचार संगोष्ठी का आयोजन

झाबुआ

इंदौर सम्भाग की 15 सदस्यीय टीम करेगी सहभागिता

झाबुआ ज़िलें से मयूरी राजू धानक एक मात्र एडव्होकेट।

नेशनल कमीशन फॉर वुमेन एवं अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के संयुक्त तत्वाधान में 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अखिल भारतीय महिला अधिवक्ताओं का सम्मेलन देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में भारतीय संविधान के स्वर्णिम 75 वर्ष के पुनरुत्थानशील भारत में महिला अधिवक्ताओं की भूमिका पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण संगोष्ठी में इंदौर से राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य श्रीमती स्वाति ओखले, श्रीमती विनीता फाये, सुश्री सीमा शर्मा, श्रीमती मृदुला सेन, श्रीमती विभा भारुका, श्रीमती रुक्मणी धानगर, श्रीमती निशा केवलिया, श्रीमती तनुजा मलकापुरकर, श्रीमती शालिनी दुबे, श्रीमती सपना फुगे, श्रीमती कोमल विजयवर्गीय, श्रीमती समता पटेल, सुश्री प्रीति सोलंकी, श्रीमती स्मृति रजदान के साथ झाबुआ ज़िलें से एक मात्र अधिवक्ता महिला मालवा प्रान्त अधिवक्ता परिषद की ब्लॉक अध्यक्ष मयूरी राजू धानक भी शामिल होगी। दिल्ली जाने से पहले एडव्होकेट मयूरी धानक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर अपनी बात रखते हुए बताया कि आज विकसित भारत में महिलाओं की शक्ति को वह स्थान मिला है जिसके लिए वह पिछले 7 दशकों से प्रयास कर रही थी लेकिन आज भी हमारा जिलें में महिलाओं का साक्षरता प्रतिशत कम है इसके कारण महिला उत्पीड़न की अनेक घटनाएं सामने आ रही है ऐसे में वे ज़िलें में साक्षरता का ग्राफ बड़े यहाँ वापस लॉ कॉलेज की शुरुआत हो व महिलाओं का विकास हो इसके प्रयास पर सपनी बात रखते हुए परिषद व आयोग का ध्यानाकर्षण करेगी। धानक ने बताया कि वे दिल्ली में झाबुआ ज़िलें की लोक संस्कृति व यहाँ के मुख्य व्यंजन दाल-पानिये की भी चर्चा करेगी। मयूरी धानक ने कहा कि कार्यक्रम में दिल्ली हाई कोर्ट की जज स्वर्णा कांता शर्मा एवं नेशनल कमीशन फ़ॉर वूमेन की चेयर पर्सन श्रीमती विजया किशोर राहतकर मुख्य वक्ता रहेगी ऐसे में उनका मार्गदर्शन हम सभी के लिए गौरव की बात होगी। दिल्ली जाने से पहले मयूरी राजू धानक ने पत्रकारों व मीडिया के माध्यम से सभी देशवासियों को झाबुआ ज़िलें की लोक संस्कृति व यहाँ के मुख्य व्यंजन दाल-पानिये की भी चर्चा करेगी। मयूरी धानक ने कहा कि कार्यक्रम में दिल्ली हाई कोर्ट की जज स्वर्णा कांता शर्मा एवं नेशनल कमीशन फ़ॉर वूमेन की चेयर पर्सन श्रीमती विजया किशोर राहतकर मुख्य वक्ता रहेगी ऐसे में उनका मार्गदर्शन हम सभी के लिए गौरव की बात होगी। दिल्ली जाने से पहले मयूरी राजू धानक ने पत्रकारों व मीडिया के माध्यम से सभी देशवासियों को झाबुआ ज़िलें की लोक संस्कृति के पर्व भगोरिया व होली की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। युवा एडव्होकेट मयूरी राजू धानक के दिल्ली कांफ्रेंस के हिस्सा बनने के लिए ज़िलें के सभी अधिवक्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है।

हज यात्रियों के प्रस्थान की तारीखें जल्द घोषित करे हज कमेटी

धार

धार, ऑल इण्डिया हज वेलफेयर सोसायटी ने भारतीय हज समिति से माँग की है कि इस वर्ष जून माह में होने जा रहै हज के लिए चयनित हज यात्रियों के प्रस्थान की तिथियाँ जल्द घोषित करे, गौरतलब है कि भारत से हज यात्रियों का पहला जत्था सम्भवत: 29 अप्रैल को मदीना (सऊदी अरब) के लिए रवाना होगा, सोसायटी के चेयरमैन मुकीत खान , और इंदौर संभाग मीडिया प्रभारी सैयद रिजवान अली ने बताया की अलग-अलग राज्यों के हज यात्री अपने नज़दीकी हज इम्बारकेशन पॉइंट से हज के लिए प्रस्थान करते हैं, उन्हें हज हाऊस में रिपोर्टिंग व दीगर खानापूर्ति के लिए फ्लाइट रवाना होने के दो दिन पहले पहुँचना होता है, चूँकि हज पर अधिकतर लोग पहली बार जाते हैं अत: उन्हें हज हाऊस, एयरपोर्ट तक छोड़ने जाने वाले पारिवारिक सदस्यों की संख्या भी अधिक होती है, देश के अधिकांश हज इम्बारकेशन पॉइंट तक पहुँचने के लिए ट्रेन ही बेहतर माध्यम होता है और देश भर से जितने लोग हज यात्रा पर जाते हैं उनमें अधिकतर हज यात्री व उन्हें इम्बारकेशन पॉइंट तक छोड़ने जाने वाले ट्रेन के माध्यम से ही यात्रा करते हैं, हज पर जाने की जल्द तिथि मिल जाने पर रेल के आरक्षण में सुविधा होती है अन्यथा लम्बी प्रतीक्षा सूची में बड़ी कठिनाइयों भरी यात्रा होती है, भारतीय हज कमेटी जल्द हज यात्रा के लिए प्रस्थान की तिथि घोषित कर ट्रेन से हज इम्बारकेशन पहुँचने वाले हज यात्रियों को सुविधा प्रदान कर सकती है, इन दिनों ट्रेनों में जल्द आरक्षण मिल पाना भी आसान नही होता,

ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए जाने की माँग मध्यप्रदेश राज्य के बहुत से आवेदक इस वर्ष हज के लिए मुंबई से प्रस्थान करेंगे, सोसायटी के राष्ट्रीय महासचिव सैय्यद रियाज़, और इंदौर संभाग मीडिया प्रभारी सैयद रिजवान अली ने रेल मंत्रालय से अनुरोध किया है कि मध्यप्रदेश राज्य के जिन बड़े रेल्वे जंक्शन से होकर मुंबई के लिए ट्रेन गुज़रती हों उनमें हज यात्रियों की रवानगी के वक़्त एक माह तक अतिरिक्त कोच लगाए जाएं ताकि आवेदक सुविधा के साथ अपनी पवित्र यात्रा की शुरुआत कर सकें, यही व्यवस्था हज यात्रा से वापसी के वक़्त भी रखी जाए।

जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की गई बैठक

धरती आबा के लक्ष्य प्राप्त करने हेतु की समीक्षा

खरगोन कलेक्टर भव्या मित्तल की निर्देशानुसार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश सिंह एवं धरती आबा के नोडल अधिकारी प्रशांत आर्या सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग ने सभी जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की ऑनलाइन बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की। धरती आबा अंतर्गत जिले के चयनित 424 ग्रामों में निवासरत सभी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के समस्त ग्राम निवासियों को शासन की समस्त योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु समग्र आईडी, आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, उज्वला गैस कनेक्शन सहित समस्त योजनाओं के लाभ प्रदान किए जाने हेतु कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सहायक आयुक्त आर्या ने कहा कि सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित नहीं रहे।

दिल्ली प्रस्थान स्वर्णिम 75 वर्ष के पुनरुत्थानशील भारत में महिला अधिवक्ताओं की भूमिका पर दिल्ली में विचार संगोष्ठी का आयोजन

झाबुआ

झाबुआ- इंदौर सम्भाग की 15 सदस्यीय टीम करेगी सहभागिता मालवा प्रांत अध्यक्ष श्री उमेश यादव जी के नेतृत्व में एवं श्री वाल्मीकि शंकरगाए मालवा प्रांत महामंत्री राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं प्रांत उपाध्यक्ष एवं समस्त पदासीन महाअधिवक्ता , महिलाऐं राष्ट्रीय कार्य करणी सदस्य श्रीमती स्वाति ओखले, श्रीमती विनीता फाये, सुश्री सीमा शर्मा, श्रीमती मृदुला सेन, श्रीमती विभा भारुका, श्रीमती रुक्मणी धानगर, श्रीमती निशा केवलिया, श्रीमती तनुजा मलकापुरकर, श्रीमती शालिनी दुबे, श्रीमती सपना फुगे, श्रीमती कोमल विजयवर्गीय, श्रीमती समता पटेल, सुश्री प्रीति सोलंकी, श्रीमती स्मृति रजदान कार्यक्रम में सामिल होंगी नेशनल कमीशन फॉर वुमेन एवं अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के संयुक्त तत्वाधान में 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अखिल भारतीय महिला अधिवक्ताओं का सम्मेलन देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में भारतीय संविधान के स्वर्णिम 75 वर्ष के पुनरुत्थानशील भारत में महिला अधिवक्ताओं की भूमिका पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण संगोष्ठी में के साथ झाबुआ ज़िलें से एक मात्र अधिवक्ता कंचन सामाजिक सेवा संस्थान संपूर्ण भारत कि राष्ट्रीय संचालक मालवा प्रांत महिला अधिवक्ता परिषद की ब्लॉक अध्यक्ष कुमारी मयूरी राजू धानक भी शामिल होगी। दिल्ली जाने से पहले एडव्होकेट मयूरी धानक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर अपनी बात रखते हुए बताया कि आज विकसित भारत में महिलाओं की शक्ति को वह स्थान मिला है जिसके लिए वह पिछले 7 दशकों से प्रयास कर रही थी लेकिन आज भी हमारा जिलें में महिलाओं का साक्षरता प्रतिशत कम है इसके कारण महिला उत्पीड़न की अनेक घटनाएं सामने आ रही है ऐसे में देश में हर में ज़िलें में साक्षरता का ग्राफ बड़े यहाँ वापस लॉ कॉलेज की शुरुआत हो व महिलाओं का विकास हो इसके प्रयास पर सपनी बात रखते हुए परिषद व आयोग का ध्यानाकर्षण करेगी। धानक ने बताया कि वे दिल्ली में झाबुआ ज़िलें की लोक संस्कृति व यहाँ के मुख्य व्यंजन दाल-पानिये की भी चर्चा करेगी। मयूरी धानक ने कहा कि कार्यक्रम में दिल्ली हाई कोर्ट की जज स्वर्णा कांता शर्मा एवं नेशनल कमीशन फ़ॉर वूमेन की चेयर पर्सन श्रीमती विजया किशोर राहतकर मुख्य वक्ता रहेगी ऐसे में उनका मार्गदर्शन हम सभी के लिए गौरव की बात होगी। दिल्ली जाने से पहले कुमारी मयूरी राजू धानक ने पत्रकारों व मीडिया के माध्यम से सभी देशवासियों को 8 तारीख अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस लोक पर्व भगोरिया पर्व झाबुआ ज़िलें के लोक संस्कृति के पर्व भगोरिया व होली की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। युवा एडव्होकेट मयूरी राजू धानक के दिल्ली कांफ्रेंस के हिस्सा बनने के लिए ज़िलें के सभी अधिवक्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है।

केंद्रीय राज्य मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर जिला अस्पताल के जन औषधि केंद्र पहुंची

धार

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने औषधि केंद्र पहुंचकर बेनिफिशियरी से बातचीत की

धार। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने जिला भोज चिकित्सालय के समीप जन औषधि केंद्र में पहुंचकर सेनेटरी पैड विपरीत किया गया एवं वहां उपस्थित बेनिफिशियरी से बातचीत की एवं लोगों को अवेयर किया एवं जन औषधि से मिलने वाली सस्ती दवाइयां के बारे में जानकारी दी । इस दौरान जिला केमिस्ट्र एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक शास्त्री, वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, विश्वास पांडे ,सोनू ठाकुर, रीमा राठौर,दीदी, केंद्र संचालक राहुल कहार, घाटाबिल्लौद केंद्र संचालक दीपक कहार एवं जयपाल कहार ,महेश ,सारिका ,प्रज्ञा आदि उपस्थित थे

पीएम इन्टर्नशिप योजनान्तर्गत आवेदन प्रारम्भ

झाबुआ- प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1 लाख 25 हजार युवाओं को देश की शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के अंतर्गत एक वर्ष की इंटर्नशिप अवधि में प्रतिमाह 5 हजार रुपए का स्टायपेंड दिया जाएगा और प्रशिक्षण पूर्ण करने पर 6 हजार रुपए एकमुश्त दिए जाएंगे। कलेक्टर नेहा मीणा ने जिले के युवाओं से प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का लाभ उठाने हेतु www.pminternship.mca.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने का आग्रह किया है। योजनान्तर्गत पंजीयन हेतु जिले को आवंटित लक्ष्य 500 के विरूद्ध युवाओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन 12 मार्च तक किए जा सकेंगे। इच्छुक युवा जिले में स्थित किसी भी शासकीय आईटीआइ ं पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग कॉलेज अथवा शासकीय महाविद्यालय में उपस्थित होकर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इंटर्नशिप के दौरान युवाओं को उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण नवीनतम तकनीक एवं प्रक्रिया के माध्यम से प्रशिक्षण एवं नियमित रोजगार प्राप्त करने की योग्यता अर्जित करने का अवसर प्राप्त होगा।

खांडेराव महाराज का नया गीत शिव भाई गुप्ता की मधुर आवाज

यूट्यूब पर चलेगा निमाड़ी लोकगीत

खरगोन कसरावद - ठीकरी के खांडेराव बाबा की महिमा का गुणगान करता हुआ एक नया 2025 का वीडियो एल्बम ,,,, गुरुवार को निमाड़ के सुप्रसिद्ध लोकगीत गायक कलाकार शिव भाई गुप्ता ने अपनी आवाज में तैयार किया जिसमे गीत के रचनाकार भी शिव भाई गुप्ता निवासी सेल्दा है।जिसमे ठीकरी के चमत्कारिक गाड़ा खिंचाई का भी वर्णन किया है।गीत के पंक्ति के बोल हे

बिन बैल सी गाड़ा चल देख नारनारी,, है।शिव भाई गुप्ता पिछले 32 सालो से गायक कलाकार हैं जिन्होंने संस्कृति के मंच पर भी कई कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी है।1500 से अधिक गीतो की रचना की गई है।वही निमाड़ी लोकगीत को संजोया है।

खरगोन के ग्राम सेल्दा निवासी निमाड़ी लोकगायक शिव भाई गुप्ता अपने संगीत के लंबे करियर मे कई निमाड़ी लोकगीतों की रचना की।निमाड़ी गीत भजन व्यंग्य कलगी तुर्रा निमाड़ी लावणी आदि रचनाएं प्रस्तुत की हे।करीब 32 साल के करियर में इन्होंने 1500 गीत लिखे और पूरे देशभर में विविध मंचो पर अपनी टीम के साथ प्रस्तुतियां दी है।

निमाड़ी संस्कृति को संजोए गुप्ता के अनुसार निमाड़ के परम संत सिंगाजी महाराज संत सियाराम बाबा की निर्गुण भक्ति पर आधारित निर्गुण भजनों को संकलित किया।इसी तरह नर्मदा मैया गणगौर माता के गीत भी भजनों के माध्यम से पूरी श्रृंखला को तैयार किया गया। ज्ञात रहे की लोकगायक शिव गुप्ता 32 सालो से निमाड़ की संस्कृति की सेवा कर रहे हैं।इटनरेंट पर उनके लाखो फालोवर है साथ ही निरंतर निमाड़ व निमाड़ी के लिए प्रयासरत है। ऐसे कंठ के धनी कलाकारों को पद्मश्री सम्मान मिलना चाहिए।

ऐसी है ठीकरी के खांडेराव की महिमा प्रतिवर्षनुसार धुलेंडी के दिन ठीकरी गाड़ा मैदान पर गाड़ा खिंचाई का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जिसमे ग्राम के ही एडु यादव बड़वा के द्वारा गाड़े खींचे जाते हैं जिसमे बड़वा एडू यादव के कंधा लगाते ही गाड़े चलने लगते हैं। विक्रम संवत 1251 में पहली बार ठीकरी में घनश्याम यादव के द्वारा गाड़ा खींचे गए थे। 13 पीढ़ी के एडु यादव इस बार भी 14 मार्च को गाड़ा खींचेंगे।उसी दिन मेले की शुरुवात होती है।जिसे देखने के लिए आसपास क्षेत्र के हजारों की संख्या में ग्रामवासी पधारते है।

भारत आने से खौफ खा रहा तहव्वुर, US के टॉप कोर्ट ने भी नहीं सुनी गुहार

डेस्क- अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की आपातकालीन अर्जी को खारिज कर दिया है. उनसे अपने प्रत्यर्पण का विरोध किया. उसने अपनी आपातकालीन अर्जी में यह तर्क दिया था कि अगर भारत में उसका प्रत्यर्पण किया जाएगा तो उसे वहां बहुत प्रताड़ित किया जाएगा. इसके पीछे की वजह उसने बताई है कि वो पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम है, इस वजह से भारत में वो सुरक्षित नहीं रहेगा.उसके वकील अब मुख्य न्यायाधीश रॉबर्ट्स के सामने अपील करेंगे. पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा ने अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय के एसोसिएट जस्टिस और नौवें सर्किट के सर्किट जस्टिस के सामने आपातकालीन स्थगन आवेदन दायर किया था. याचिका में राणा ने तर्क दिया कि भारत में उसका प्रत्यर्पण अमेरिका के कानून और टॉर्चर के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का उल्लंघन करता है. उसने कहा कि यह मानने के लिए पर्याप्त आधार हैं कि अगर उसे भारत में प्रत्यर्पित किया जाता है तो उसपर टॉर्चर का खतरा बना रहेगा. उसने याचिका में कहा कि उसके मामले में टॉर्चर किए जाने की संभावना और भी ज्यादा हैं. क्योंकि मुंबई हमलों में आरोपी पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम है.

ट्रंप-जेलेंस्की विवाद के बाद अमेरिका-यूक्रेन शांति वार्ता के लिए तैयार

वाशिंगटन। अमेरिका और यूक्रेन के रिश्तों में हाल ही में आए तनाव के बाद अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के बीच तीखी बहस के कुछ ही दिनों बाद, दोनों देशों ने रूस के साथ शांति समझौते की बातचीत के लिए तारीख और जगह तय करने पर चर्चा शुरू कर दी है। इस बातचीत के लिए राष्ट्रपति जेलेंस्की और ट्रंप प्रशासन के बीच लगातार संपर्क बना हुआ है, जिससे इस युद्ध को खत्म करने की संभावनाएं मजबूत हो रही हैं।

शांति वार्ता की तैयारी में जुटे अमेरिका और यूक्रेन

कीव पोस्ट के मुताबिक, यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक और ट्रंप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वॉल्ट्ज ने इस मुद्दे पर फोन पर चर्चा की। वॉल्ट्ज ने कहा कि वे अगले दौर की वार्ता के लिए स्थान, प्रतिनिधिमंडल और प्रमुख मुद्दों पर बातचीत कर रहे हैं और जल्द ही इस पर बड़ा कदम उठाया जाएगा।

ट्रंप को मिला जेलेंस्की का पत्र

डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को खुलासा किया कि उन्हें जेलेंस्की की ओर से एक पत्र मिला है, जिसमें यूक्रेनी राष्ट्रपति ने जल्द से जल्द शांति वार्ता शुरू करने की इच्छा जताई है। ट्रंप ने कहा, हमें जेलेंस्की का एक महत्वपूर्ण पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने शांति वार्ता के लिए तत्परता दिखाई है और खनिज संसाधनों से जुड़े समझौते पर चर्चा करने की बात कही है। रूस की ओर से भी शांति वार्ता के संकेत मिले हैं। गौरतलब है कि ट्रंप ने इस कदम की सराहना की, जबकि कुछ दिन पहले ही उन्होंने जेलेंस्की पर आरोप लगाया था कि वे युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार नहीं हैं।

जब भिड़ गए थे ट्रंप और जेलेंस्की

बीते शुक्रवार को जेलेंस्की वॉशिंगटन पहुंचे थे, जहां उन्हें अमेरिका के साथ खनिज संसाधनों को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर करने थे। लेकिन बातचीत के दौरान ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वांस के साथ उनका विवाद इतना बढ़ गया कि उन्हें बिना किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए ही वापस लौटना पड़ा।

ट्रंप के साथ मुलाकात के बाद क्या बोले जेलेंस्की

खबरों के मुताबिक, ट्रंप ने जेलेंस्की से कहा था कि अगर वे रूस के साथ शांति समझौते के लिए तैयार नहीं होते, तो उन्हें दोबारा व्हाइट हाउस आने की जरूरत नहीं है। इस विवाद पर जेलेंस्की ने मंगलवार को प्रतिक्रिया देते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वॉशिंगटन में हमारी बैठक उस तरह नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन अब हमें चीजों को सही करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, यूक्रेन शांति वार्ता के लिए पूरी तरह तैयार है। हम इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं, क्योंकि शांति से ज्यादा जरूरी हमारे लिए कुछ भी नहीं है। मेरी टीम और मैं राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में एक स्थायी शांति समझौते के लिए काम करने को तैयार हैं।

6 देशों के अवैध प्रवासियों को भेजने पर 30 फ्लाइट और हजारों करोड़ खर्च, अमेरिका को पड़ा महंगा

नई दिल्ली. डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद अवैध प्रवासियों पर कड़ा एक्शन लिया. इस क्रम में अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर सख्त जांच शुरू करने के साथ ही निर्वासन की प्रक्रिया को तेज कर दिया. ट्रंप ने पद संभालने के पहले महीने में ही 37,660 अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकाल दिया. डिपोर्ट लोगों को अमेरिका के सैन्य विमानों से वापस भेजा गया. हालांकि अब बताया जा रहा है कि इस पर आने वाले खर्च को देखते हुए निर्वासित लोगों को वापस भेजने के लिए सैन्य विमान का इस्तेमाल रोक दिया गया है.

वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने उन अवैध प्रवासियों को ग्वांतानामो बे या अन्य स्थानों पर भेजने के लिए सैन्य विमानों के उपयोग को बंद कर दिया है. रिपोर्ट में कहा गया कि निर्वासन के लिए सैन्य विमानों पर निर्भरता महंगी और गैर-व्यवहारिक साबित हुई. हालांकि प्रशासन ने अभी विस्तृत निर्वासन आंकड़े जारी नहीं किए हैं. इससे यह स्पष्ट नहीं है कि कितने लोगों को अमेरिकी आंतरिक सुरक्षा एजेंसी ने देश के भीतर से पकड़ा और कितने को सीमा पर ही हिरासत में लेकर बाहर भेज दिया गया.

महंगे पड़े सैन्य विमानों से निर्वासन

फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, अमेरिकी सरकार ने लगभग 30 निर्वासन उड़ानें C-17 विमानों से और करीब एक दर्जन उड़ानें C-130 विमानों से संचालित कीं. इन उड़ानों के जरिए प्रवासियों को 6 देश भारत, ग्वाटेमाला, इक्वाडोर, पेरू, होंडुरास, पनामा भेजा गया. इसके अलावा कई प्रवासी ग्वांतानामो बे भी भेजे गए. इस दौरान सैन्य विमानों ने लंबी दूरी तय की, कम यात्रियों को ले जाया और नागरिक विमानों की तुलना में अधिक लागत उठानी पड़ी.

निर्वासन की लागत कितनी?

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के लिए भेजी गई तीन निर्वासन उड़ानों की लागत 3 मिलियन डॉलर (लगभग 30 करोड़ रुपये) आई. वहीं, कुछ उड़ानों में केवल एक दर्जन लोगों को ग्वांतानामो बे भेजा गया, जिसकी लागत प्रति व्यक्ति कम से कम 20,000 डॉलर थी. अमेरिका ने अब तक तीन उड़ानों में 332 भारतीयों को वापस भेजा, जिन पर प्रति व्यक्ति लगभग 27,108 रुपये खर्च हुए.

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, एक मानक ICE निर्वासन उड़ान की लागत लगभग 8,500 डॉलर प्रति उड़ान घंटे होती है, लेकिन पूर्व ICE अधिकारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की वास्तविक लागत करीब 17,000 डॉलर प्रति घंटा होती है. इसके विपरीत, भारी कार्गो और सैनिक परिवहन के लिए डिज़ाइन किए गए C-17 विमान का संचालन प्रति उड़ान घंटे 28,500 डॉलर में किया जाता है, जैसा कि अमेरिकी ट्रांसपोर्टेशन कमांड ने बताया.

मैक्सिको के हवाई क्षेत्र से बचकर लंबी दूरी तय की

इसके अलावा, C-17 विमानों ने मैक्सिकन हवाई क्षेत्र से बचते हुए लंबी दूरी तय की, जिससे मध्य और दक्षिण अमेरिका के लिए उड़ान का समय बढ़ गया. कुछ लैटिन अमेरिकी देशों, जिनमें मैक्सिको भी शामिल है, ने अमेरिकी सैन्य विमानों को उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और इसके बजाय या तो व्यावसायिक विमानों से निर्वासन करवाया या खुद अपने विमानों का उपयोग किया.

अमेरिकी महिला ने फ्लाइट में मचाया कोहराम, एक-एक कर कपड़े उतारने लगी, फिर 30 हजार फीट की ऊंचाई पर

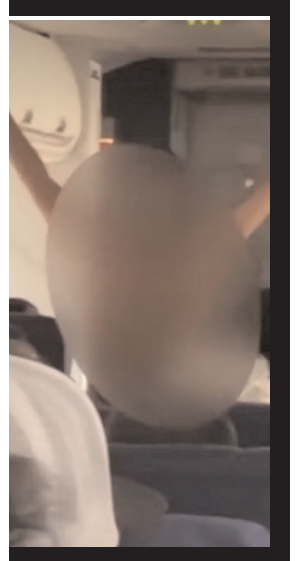

नई दिल्ली । इस तरह की घटनाएं पहले कभी-कभार ही सुनने को मिलती थी, पर आज कल तो यह आम ही हो गया है। अमेरिका के एक विमान में एक महिला की हरकतों से परेशान हो कर लोग ऐसा ही कुछ कह रहे हैं। यहां से फीनिक्स(जा रही एक फ्लाइट यात्रियों के लिए यादगार बन गई। हालांकि यात्री इसे जल्द ही भुलाना चाहेंगे। दरअसल इस फ्लाइट में एक महिला ने कोहराम मचा दिया। महिला 30 हजार फीट की ऊंचाई पर जा कर अचानक विमान से उतरने की जिद करने लगी। मना करने पर उसने जो किया उसे देख कर सब दंग रह गए। इस महिला ने विमान में बैठे लोगों के सामने एक-एक कर सारे कपड़े उतार दिए। नग्न अवस्था में वह विमान में परेड भी करने लगी। महिला ने कथित तौर पर जोर-जोर से चिल्लाते हुए कॉकपिट में घुसने की भी कोशिश की। एक यात्री ने बताया, उसने सब कुछ उतारना शुरू कर दिया, टोपी, उसके जूते, सब कुछ। महिला की हरकतों से पूरे विमान में कोहराम मच गया। उस वक्त वहां कई बच्चे भी मौजूद थे।

अमेरिका ने मैक्सिको और कनाडा को दी राहत, नरम पड़े डोनाल्ड ट्रंप के तेवर, 2 अप्रैल तक टैरिफ से छूट

नई दिल्ली. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मैक्सिको और कनाडा को बड़ी राहत दी गई है. ट्रंप प्रशासन ने घोषणा की कि मैक्सिको और कनाडा को 2 अप्रैल तक कुछ वस्तुओं पर टैरिफ नहीं देना होगा. दोनों देशों को यह छूट उन वस्तुओं के लिए दी गई है जो यूनाइटेड स्टेट्स-मैक्सिको-कनाडा समझौते के तहत आती हैं.

राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को उन कागजातों पर हस्ताक्षर किए, जो मैक्सिको और कनाडा के उन सभी उत्पादों पर टैरिफ को लगभग एक महीने के लिए टाल देंगे, जो USMCA मुक्त व्यापार संधि के अंतर्गत आते हैं. ये कदम मैक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ ट्रंप की चर्चा और कनाडाई-ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों के बीच बातचीत के बाद उठाया गया है.

अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लुटनिक ने पहले ही संकेत दे दिया था कि राष्ट्रपति कुछ टैरिफ में कटौती कर सकते हैं. लुटनिक ने कहा था कि राष्ट्रपति 5 मार्च की शुरुआत में कनाडा और मैक्सिको पर लगाए गए 25 प्रतिशत टैरिफ में से कुछ को कम कर सकते हैं, क्योंकि दोनों देश यह दिखाने की कोशिश कर रहे थे कि वे बेहतर करेंगे.

हमें कनाडा की लकड़ी की जरूरत नहीं-ट्रंप

हालांकि टैरिफ में देरी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सबसे बड़ा कदम 2 अप्रैल को होगा जब पारस्परिक टैरिफ लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कनाडा एक उच्च टैरिफ वाला देश है. कनाडा हमसे हमारे दूध उत्पादों और अन्य उत्पादों के लिए 250 फीसदी शुल्क लेता है और लकड़ी और ऐसी चीजों पर बहुत ज़्यादा टैरिफ लगाता है. हमें उनकी लकड़ी की जरूरत नहीं है. हमारे पास उनकी तुलना में ज़्यादा लकड़ी है. इसलिए मैं जो कर रहा हूं वह यह है कि मैं अपने जंगलों को मुक्त करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करूंगा ताकि हमें पेड़ों को काटने और बहुत सारा पैसा कमाने और फिर पेड़ों की कटाई करने की अनुमति मिल सके.

ट्रंप और मैक्सिकन राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत

ट्रंप और मैक्सिकन राष्ट्रपति शीन्बौम के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत हुई. इसकी जानकारी ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर दी. उन्होंने लिखा, मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीन्बौम से बातचीत के बाद मैंने सहमति दी है कि USMC समझौते के तहत आने वाले किसी भी सामान पर मैक्सिको को टैरिफ नहीं देना होगा. यह छूट 2 अप्रैल तक प्रभावी रहेगी.

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मेक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शीन्बौम ने ट्रंप के साथ हुई बातचीत को उत्कृष्ट और सम्मानजनक बताया. उन्होंने कहा कि दोनों देश सुरक्षा और आप्रवासन के मुद्दों पर सहयोग जारी रखेंगे. शीन्बौम ने आगे कहा, हमारे सहयोग से अभूतपूर्व परिणाम मिले हैं और हम अपनी संप्रभुता का सम्मान करते हुए आगे भी मिलकर काम करेंगे.इसके अलावा, शीन्बौम ने यह भी कहा कि अमेरिका और मैक्सिको अवैध फेंटानाइल तस्करी पर नियंत्रण के लिए साथ काम करते रहेंगे. फेंटानाइल, जो अमेरिका में नशीली दवाओं की लत का बड़ा कारण बना हुआ है, टैरिफ वार्ता का एक प्रमुख मुद्दा रहा है.

ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर लगाया इतना टैरिफ

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कनाडा और मैक्सिको से आयातित वस्तुओं पर लगाए गए नए 25 प्रतिशत टैरिफ मंगलवार से प्रभावी हो गए. साथ ही चीनी वस्तुओं पर शुल्क दोगुना करके 20 प्रतिशत कर दिया गया. परिणामस्वरूप, तीनों देशों ने अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की घोषणा की, जिससे आर्थिक विकास पर असर पड़ सकता है और अमेरिकियों के लिए कीमतें बढ़ सकती हैं, जो अभी भी उच्च मुद्रास्फीति के वर्षों से परेशान हैं.ट्रंप द्वारा अपने सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ लगाने के पहले के कदम के साथ कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत कर लगाया जाएगा, जबकि कनाडा से ऊर्जा उत्पादों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा. साथ ही, फरवरी में ट्रंप द्वारा चीनी आयात पर लगाया गया 10 प्रतिशत टैरिफ बढ़कर 20 प्रतिशत हो जाएगा.

सरकारी विभागों के अध्यक्ष नही है एलन मस्क, कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का हक नही-ट्रंप

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप)ने अपनी कैबिनेट को बताया कि उनके बिलियनेयर सलाहकार एलन मस्क उनके विभागों के 'अध्यक्ष' नहीं हैं और उन्हें संघीय कर्मचारियों को निकालने का अधिकार नहीं है। पॉलिटिको ने सूत्रों के हवाले से यह रिपोर्ट गुरुवार को दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिपब्लिकन नेता ने यह भी कहा कि टेस्ला के प्रमुख केवल विभागों को सलाह देने के लिए सशक्त हैं, लेकिन वे कर्मियों और नीतियों पर एकतरफा निर्णय लेने के लिए अधिकृत नहीं हैं। पॉलिटिको के अनुसार, एलन मस्क इस निर्देश से सहमत थे और बैठक में उपस्थित थे।रिपोर्ट के अनुसार, एलन मस्क ने ट्रंप के पहले कैबिनेट बैठक में पिछले सप्ताह इबोला रोकथाम फंडिंग को गलती से रद्द करने पर भी अपनी गलतियों को स्वीकार किया।यह घटनाक्रम मस्क और उनकी नई बनाई गई डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशियेंसी के साथ जुड़ा हुआ है, जो फेडरल कर्मचारियों की छंटनी सहित लागत घटाने के उपायों पर काम कर रहा है। हालांकि, एलन मस्क ने स्वयं सरकारी कर्मचारियों को नहीं निकाला। उन्हें ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है, लेकिन DOGE के प्रयासों के कारण महत्वपूर्ण संख्या में छंटनी और इस्तीफे हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है, जबकि 75,000 ने स्वैच्छिक तरीके से निकालने का प्रस्ताव स्वीकार किया है। इन छंटनियों का मुख्य रूप से असर उन कर्मचारियों पर पड़ा है, जो प्रोबेशनरी स्थिति में थे। उनके पास नागरिक सेवा संरक्षण कम होता है, जिससे उन्हें हटाना आसान होता है। इन छंटनियों का असर कई एजेंसियों पर पड़ा है, जिनमें आंतरिक राजस्व सेवा , ऊर्जा मंत्रालय , यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ वेटरन्स अफेयर्स और अन्य शामिल हैं। पॉलिटिको ने लिखा, राष्ट्रपति का यह संदेश एलन मस्क के आदेश को सीमित करने की ओर पहला महत्वपूर्ण कदम है। ट्रंप के नए आदेश के अनुसार, DOGE और इसके कर्मचारी सलाहकार भूमिका निभाएंगे, लेकिन अंतिम निर्णय कैबिनेट सचिवों को करना होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 131-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569